छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

वर्ष - 05 अंक - 24 बैकुंठपुर, बुधवार 16 अक्टूबर 2024 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com

मां महामाया हवाई अड्डे से 20 अक्टूबर को उड़ान भरेगा विमान, बनारस से पीएम करेंगे ऑनलाइन शुभारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। अंबिकापुर के मां महामाया एयरपोर्ट से 20 अक्टूबर से हवाई जहाज उड़ने लगेगा। इसकी सरगुजा संभाग के लोगों को लंबे समय से प्रतीक्षा थी। इसकी अधिकारिक घोषणा एयरपोर्ट अथारिटी के द्वारा कर दी गई है। इसका वर्चुअल शुभारंभ बनारस से प्रधानमंत्री करेंगे।

सरगुजा वासियों को हवाई यात्रा का लंबे समय से इंतजार रहा। इसी क्रम में मां महामाया एयरपोर्ट के जिम्मेदारों को उच्च कार्यालय से मेल के माध्यम से 20 अक्टूबर को महामाया हवाई अड्डे के शुभारंभ की जानकारी दी गई है। शुभारंभ कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बनारस से होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में शामिल होकर विमान सेवा का ऑनलाइन शुभारंभ करेंगे। यहां से हवाई जहाज कहां तक उड़ान भरेगा और 19 सीटर या 72 सीटर विमान से हवाई अड्डे की शुरूआत होगी, इसकी जानकारी फिलहाल नहीं मिल पाई है। पूर्व में बनी योजना के तहत 19 सीटर प्लेन अंबिकापुर से बिलासपुर तक व 72 सीटर विमान अंबिकापुर से रायपुर, बनारस तक चलाने के संकेत मिल रहे थे। एयरपोर्ट अथारिटी को मेल से मिले संदेश के बाद अग्रिम तैयारियों को मूर्तरूप दिया जा रहा है। बता दें कि इसके पहले एयरपोर्ट के लोकार्पण के लिए शिलालेख प्राप्त होने की बातें भी सामने आई थी, लेकिन तिथि को लेकर अटकलों की स्थिति बनी हुई थी।

संदेश में किया गया उल्लेख

मेल से भेजे गए संदेश में उल्लेख किया गया है कि पिछले मेल के क्रम में आपको सूचित किया जाता है कि 20 अक्टूबर 2024 को वाराणसी हवाई अड्डे पर लगभग 3 बजे भौतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अंबिकापुर हवाई अड्डे को वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से जोड़ा जाएगा। वीडियो वॉल का आकार 16:9 पहले अनुपात में होना चाहिए। अंबिकापुर हवाई अड्डे पर कोई भी स्थानीय कार्यक्रम 2.50 बजे तक हो जाना चाहिए। इसके साथ ही नागरिक उड्डयन मंत्रालय को आगे भेजने के लिए महत्वपूर्ण विवरण मुख्यालय द्वारा मांगे गए हैं।

चार दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी की हुई शुरुआत

18 अक्टूबर तक आयोजित कार्यक्रम में 9 जोन के 400 से अधिक प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी एवं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी, पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता 2024-25 की शुभारंभ मंगलवार को सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक लुण्ड्रा प्रबोध मिंज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक अंबिकापुर राजेश अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर डॉ. अजय तिर्की, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, सरगुजा संभागायुक्त जीआर चुरेन्द्र के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों में करताराम गुप्ता, हरमिंदर सिंह टिन्नी, सुधांशु घोष, मंजूषा भगत, अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न जोन से आए प्रतिभागी छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग सरगुजा संजय कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विज्ञान प्रौद्योगिकी के सहयोग एवं राज्य शैक्षिण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर के सौजन्य से चार दिवसीय राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी एवं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी, पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता 2024-25 का चार दिवसीय आयोजन 15 अक्टूबर से प्रारंभ हुआ, जो 18 अक्टूबर तक चलेगा। इस आयोजन में राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी व राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी, पश्चिम भारत विज्ञान मेला, विज्ञान नाटिका, प्रश्न मंच, विज्ञान क्लब, विज्ञान संगोष्ठी में अंबिकापुर, बिलासपुर, दुर्ग, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, कवर्धा, कांकेर, रायपुर एवं रायगढ़ जोन के 419 बालक-बालिका प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। प्रतिभागियों एवं शिक्षकों के लिए आवासीय व्यवस्था, प्रतियोगिता स्थल में आवागमन, भोजन, स्वास्थ्य, सुरक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं की गई है। लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि यह कार्यक्रम बाल वैज्ञानिकों के लिए आयोजित हो रहा है। अविष्कारों से ही दुनिया आज इस स्तर पर पहुंची है, हमारे जीवन शैली में जो परिवर्तन हुआ है, यह विज्ञान से ही संभव हो पाया है। उन्होंने प्रतिभागियों को अच्छे प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं दीं। विधायक राजेश अग्रवाल ने कहा कि हमारे देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती को प्रतिवर्ष विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने प्रतिभगियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ज्ञान के महत्व को समझें। महापौर डॉ. अजय तिर्की ने सभी बच्चों को प्रतियोगिता हेतु शुभकामनाएं दी और तथा कहा कि अच्छा प्रदर्शन कर आप राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल हों।

पूर्व सांसद कमलभान सिंह ने कहा कि आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। अपनी प्रतिभा को मेहनत कर निखारें। सम्भागायुक्त जीआर चुरेन्द्र ने सभी प्रतिभागियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि आप सभी अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करते रहें। उन्होंने आयोजन के लिए सभी अधिकारियों को बधाई दी तथा उत्तम व्यवस्था हेतु निर्देशित किया।

विभिन्न विषयों पर बनाए गए ज्ञानवर्धक मॉडल

प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल का प्रदर्शन किया। अतिथियों द्वारा मॉडलों का अवलोकन किया गया। भौतिकी, कम्प्यूटर विज्ञान, गणित, इंजीनियरिंग, पर्यावरण विज्ञान, रसायन विज्ञान पृथ्वी एवं अंतरिक्ष विज्ञान, खाद्य स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, संचार एवं परिवहन, प्राकृतिक खेती, आपदा प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, संसाधन प्रबंधन से संबंधित विषयों पर अपनी विधा का प्रदर्शन किया गया है। राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेंगे।

फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रवीण भगत ने इंडियन एयर फोर्स में युवाओं को किया आह्वान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सेना जॉब या नौकरी नहीं है, बल्कि यह जज्बा, उत्साह के साथ समर्पण भरी सेवा है, जिसे जुनून वाला ही चयन करे। यह बातें मंगलवार को श्री साईं बाबा आदर्श स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिशा इंडियन एयर फोर्स के अभियान के तहत आए इंडियन एयर फोर्स के फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रवीण भगत ने कही। उन्होंने कहा कि युवाओं तक पहुंचना हमारा लक्ष्य है। वायु सेना के वर्तमान व भविष्य की जरूरतों के प्रति उन्होंने अवगत कराया तथा वायु सेना में अवसर के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वायु सेना रक्षा, युद्ध, आपदा और सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ब्रिटिश रायल फोर्स से वर्तमान भारतीय वायु सेना के इतिहास तथा युद्धों के बारे में बताया। इस दौरान महाद्यिालय के विद्यार्थियों के बीच संवाद हुआ। भारत-पाकिस्तान युद्ध, बांग्लादेश की आजादी, कारगिल युद्ध, आपरेशन सफेद सागर आदि के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने इंडियन एयर फोर्स के चयन के सभी मापदंडों से अवगत कराते हुए आह्वान किया कि आप देश सेवा के एक बेहतरीन अवसर को चुनें। प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि इंडियन एयर फोर्स से जुड़े लोगों से मिलना गर्व की बात है। ये साथी देश सेवा के प्रति समर्पित लोग आपको वर्दी पहनाने आए हैं। उन्होंने जल सेना, थल सेना के साथ ही वायु सेना से भी जुड़ने का आह्वान किया। श्री साई शिरडी शिक्षण समिति के सचिव अजय कुमार इंगोले ने कहा कि सेना से जुड़ना अपने कॅरिअर को लाजवाब रूप देना है। आप जितना आगे बढ़ते जाएंगे प्रतियोगिता और चुनौतियों का दौर उतना ही कठिन होता जाएगा। वर्तमान में रक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ और सरगुजा की भागीदारी अभी कम है, इसे बढ़ाना होगा। कार्यक्रम के दौरान भारतीय वायु सेना की सुसज्जित बस में स्लाइड शो दिखाया गया।

युवाओं ने जाना क्या है एटीएम फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, सेक्सटॉर्शन, डिजिटल अरेस्ट

अंबिकापुर। साइबर जागरूकता अभियान के तहत पीजी कॉलेज मे युवाओं को साइबर अपराधों की जानकारी दी गई। इन्हें एटीएम फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, सेक्सटॉर्शन, डिजिटल अरेस्ट सहित साइबर हेल्पलाइन नंबर से अवगत कराया गया। 05 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक आयोजित 15 दिवसीय विशेष साइबर जागरूकता अभियान के तहत सरगुजा पुलिस एवं साइबर वॉलंटियर्स द्वारा प्रतिदिन अलग-अलग जगह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर आम नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साइबर अपराध से बचाव के तरीके एवं ऑनलाइन फ्रॉड से बचने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की जा रही है। इसी क्रम के साइबर वालेंटियर द्वारा पीजी कॉलेज के ग्राउंड में पहुंचकर युवाओं को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। डिजिटल दौर में सुरक्षित रहने के तरीके सिखाए और उन्हें साइबर अपराधों से बचने के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के उपयोग की जानकारी दी। छात्रों को ओटीपी साझा न करने, फिशिंग ईमेल से सतर्क रहने और सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी गोपनीय रखने कहा गया। साइबर वॉलंटियर श्रुति तिवारी, अतुल गुप्ता और विक्की गुप्ता ने साइबर अपराध संबंधी बनी युवाओं की उत्सुकता का संतोषप्रद जवाब देकर उनकी जिज्ञासा का समाधान किया। महिलाओं की सुरक्षा में उपयोगी अभिव्यक्ति ऐप की जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक संजय नाथ तिवारी और नवल दुबे को स्टार लगाकर दी पदोन्नति

अंबिकापुर। पुलिस मुख्यालय रायपुर के आदेश के परिपालन में जिले में पदस्थ 02 सहायक उप निरीक्षकों को पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने स्टार लगाकर उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया। पुलिस अधीक्षक ने इन्हें पदोन्नति पश्चात अग्रिम कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित स्टार सेरेमनी के दौरान जिले में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक संजय नाथ तिवारी एवं नवल दुबे को स्टार लगाकर उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया। पुलिस अधीक्षक ने इन्हें विभाग द्वारा प्रदान किए गए नए दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करने कहा, साथ ही विभागीय कार्यों में गतिशीलता लाकर तत्परता के साथ काम करने के निर्देश दिए। पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार पदोन्नत उप निरीक्षक अग्रिम आदेश तक सरगुजा जिले में ही अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

समय-सीमा की बैठक में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

आय, जाति व निवास प्रमाण-पत्र बनाने की प्रक्रिया मिशन मोड पर करें: कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी

■ स्वास्थ्य केन्द्रों, छात्रावासों का अधिकारी करें नियमित निरीक्षण, धान खरीदी-केन्द्रवार आवश्यक तैयारी करने के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की तथा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए हैं। बैठक में आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्रों के विकासखण्डवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र, मिशन मोड में बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रमाण-पत्र बनाने में आ रही कठिनाइयों को समन्वय के साथ निराकरण करने के निर्देश भी दिए हैं। कलेक्टर ने जिले के सभी छात्रावासों, अस्पताल, स्कूलों, स्वास्थ्य व आंगनवाड़ी केंद्रों के नियमित निरीक्षण करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि निरीक्षण के दौरान प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करें ताकि समस्या का निराकरण समय पर किया जा सके। पशु विभाग के अधिकारियों को राज्य मार्ग व राष्ट्रीय राजमार्ग, चौक-चौराहे पर बैठने वाले मवेशियों के गले मे रेडियम बेल्ट लगाने के निर्देश भी दिए हैं। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग, जनपद पंचायत व नगरीय निकाय के अधिकारियों को भी सड़को से आवारा व घुमन्तू मवेशियों को हटाने के निर्देश भी दिए हैं।

जिले के विभिन्न विभागों में अनुकम्पा नियुक्ति के सम्बंध में विभागवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने उच्च प्राथमिकता के साथ लंबित अनुकम्पा प्रकरण को निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने विभिन्न विभागों लंबे समय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की और किए गए प्रयास के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने ऐसे अनाधिकृत कर्मियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करते हुए जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। आगामी माह से धान खरीदी होने की संभावना को देखते हुए कलेक्टर ने धान खरीदी के सम्बंध में आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने किसानों के नाम, रकबा, बी-वन, खसरा, आधार नम्बर, मोबाइल नम्बर व गिरदावरी के सम्बंध में अभी से दूरूस्त करने के निर्देश दिए हैं। संबंधित विभाग से मिली जानकारी के अनुसार विगत वर्ष 22 धान उपार्जन केन्द्र के, 30650.423 हेक्टेयर रकबा में धान बोये गये थे, वही 22 हजार 347 किसानों ने पंजीकृत कराए थे, जिनमें से 19 हजार 654 किसानों ने धान बेचे थे। इस खरीफ वर्ष में 441 नये पंजीकृत किसान है। इस तरह कुल पंजीकृत किसानों की संख्या 22 हजार 788 है।

लंबित प्रकरणों का त्वरित गति से करें निराकरण

महिला एवं बाल विकास विभाग के समीक्षा के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने नए आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए जमीन चिन्हित करने व जीर्ण भवनो को विखंडन करने तथा जीर्ण भवनों में आंगनबाड़ी नहीं संचालित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने राजस्व अधिकारियों से बंटवारा, नामांतरण, फौती सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण की जानकरी ली। जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का जल्द निपटारा करने और हाई कोर्ट के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। आज जनदर्शन में 54 आवेदन प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से परीक्षण कर निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर अरूण कुमार मरकाम, श्रीमती अंकित सोम सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद रहे।

क्षेत्र में फैल रहा गुलाब की खुशबू, व्यापारियों को मिल रहा ताजा फूल

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले के विकासखंड ग्राम कमलाडांड़ में फूलों की खेती ने एक नई क्रांति का सूत्रपात किया है। यहां के किसान एबी अब्राहम ने पारंपरिक खेती छोड़कर गुलाब की खेती में हाथ आजमाया और अब वह इस क्षेत्र में न केवल अपनी पहचान बना रहे हैं, बल्कि अन्य ग्रामीणों के लिए भी प्रेरणा स्त्रोत बन गए हैं। गुलाब की खेती से जहां उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है, वहीं स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के इस छोटे से गांव के किसान, जो पहले गेहूं, धान, और मक्का जैसी पारंपरिक फसलों की खेती करते थे, अब उद्यानिकी फसलों की ओर तेजी से रुझान दिखा रहे हैं। एबी अब्राहम इस बदलाव के मुख्य उदाहरण हैं, जिन्होंने एक एकड़ भूमि में डचरोज गुलाब की खेती शुरू की। फूलों की खेती न केवल उनकी उम्मीदों पर खरी उतरी, बल्कि इसके माध्यम से उन्हें उम्मीद से कहीं अधिक मुनाफा भी हुआ। अब उनके खेत में गुलाब की खुशबू फैली हुई है, जिसे वह आसपास के शहरों और कस्बों में बेच रहे हैं।

एबी अब्राहम द्वारा उगाए गए गुलाब की मांग पूरे सरगुजा संभाग और मध्यप्रदेश के सीमावर्ती शहरों में बढ़ रही है। मनेन्द्रगढ़ और आस-पास के बाजारों में भी उनकी आपूर्ति की जा रही है। फूलों की खेती से उन्हें मिलने वाला मुनाफा पारंपरिक फसलों की तुलना में कई गुना अधिक है। खास बात यह है कि फूलों की खेती में अधिक लागत की आवश्यकता नहीं होती, जिससे किसान अपनी आर्थिक स्थिति को तेजी से सुदृढ़ कर पा रहे हैं। गुलाब की खेती न केवल एबी अब्राहम के लिए लाभकारी साबित हो रही है, बल्कि इसने ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा किए हैं। फूलों की देखभाल, तुड़ाई, पैकिंग, और परिवहन से जुड़े कार्यों में कई स्थानीय लोगों को काम मिला है। जिससे आने वाले समय में इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं और अधिक बढ़ सकती हैं। फूलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए स्थानीय प्रशासन भी पूरी तरह से सक्रिय है। उद्यानिकी विभाग द्वारा समय-समय पर किसानों को तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे फूलों की खेती में आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर अधिक से अधिक लाभ कमा सके। एबी अब्राहम की मेहनत और प्रशासन के सहयोग से फूलों की खेती ने कमलाडांड़ में एक नई दिशा और गति प्राप्त की है। फूलों की खेती ने न केवल एबी अब्राहम को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है, बल्कि उन्हें समाज में एक नई पहचान भी दी है। अब वह स्थानीय स्तर पर एक सफल किसान के रूप में पहचाने जाते हैं, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और सही दिशा में कदम बढ़ाकर अन्य किसानों को भी प्रेरित किया है। पारंपरिक फसलों से हटकर फूलों की खेती करना उनके लिए न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक रूप से भी एक महत्वपूर्ण बदलाव साबित हुआ है। एबी अब्राहम के खेतों में खिले गुलाबों की विभिन्न प्रजातियों से पूरा कमलाडांड़ क्षेत्र सुगंधित हो रहा है। गुलाब की खेती के कारण गांव का माहौल भी बदल रहा है। अब हर तरफ फूलों की खुशबू फैली हुई है, जिससे न केवल किसानों का जीवन बेहतर हो रहा है, बल्कि पर्यावरण में भी सकारात्मक बदलाव देखा जा रहा है। कमलाडाड़ के किसान एबी अब्राहम की फूलों की खेती की सफलता ने न केवल उनके जीवन को संवारा है, बल्कि इसने पूरे गांव में रोजगार और आत्मनिर्भरता का संदेश भी फैलाया है। स्थानीय प्रशासन के सहयोग से यह पहल आने वाले समय में और भी विस्तार ले सकती है, जिससे क्षेत्र के अन्य किसानों को भी इससे प्रेरणा मिलेगी और वे भी उद्यानिकी फसलों की ओर कदम बढ़ाएंगे।

दुष्कर्म का जिस पर लगा आरोप, वह फांसी लगाकर किया खुदकुशी

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा संभाग में कानून व्यवस्था की दिनोंदिन बिगड़ती स्थिति के बीच कक्षा 12वीं की एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म व मारपीट से सनसनी फैल गई। घटना को अंजाम देने वाला एक नाबालिग सहपाठी बताया जा रहा है, जो फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। इसके पहले युवती के बताए अनुसार घटना थाना क्षेत्र की पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध मारपीट का केस दर्ज किया था। बाद में गैंगरेप का हौव्वा फैल गया। हालांकि चिकित्सक के मुलाहिजा रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है, लेकिन सामूहिक दुष्कर्म नहीं होना बताया गया है। छात्रा की स्थिति को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एसआईसीयू में रखा गया है। स्वजन के मुताबिक सूरजपुर जिले के प्रेमनगर थाना क्षेत्र की कक्षा 12वीं की छात्रा, 12 अक्टूबर को दशहरा पर्व पर होने वाले कार्यक्रम को देखने अन्य लोगों के साथ गई थी। कार्यक्रम को देखने के बाद वे नाश्ता किए। इस दौरान पूर्व में साथ में पढ़े लड़के से उसकी मुलाकात हुई। इस बीच लड़की को पानी प्यास लगी, तो सहपाठी उसके लिए पानी लेने चले गया। पानी पीने के बाद तबियत ठीक नहीं लगने पर वह घर निकलने को हुई तो उसने मोटरसाइकिल से गांव तक छोड़ देने कहा।

कोयलांचल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विजयादशमी पर्व

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक विजयादशमी पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। देर शाम को रावण के पुतले का भव्य आतिशबाजी के साथ जगह जगह दहन किया गया। विजयादशमी पर्व को लेकर प्रशासनिक अधिकारी व आतिशबाजी के साथ दहन किया गया। आदिशक्ति मां समलेश्वरी महामाया मंदिर प्रांगण केनापारा, लटोरी, करवां, डेडरी, कुमदा कालोनी, रामनगर, कंदरई, राजापुर समेत अन्य स्थानों में भी देर शाम भव्य आतिशबाजी के साथ रावण दहन किया गया।

पुलिस कर्मी तैनात किए गए थे। विजयादशमी का यह समारोह न केवल धार्मिक भावनाओं को प्रकट करता है, बल्कि संस्कृति और एकता का भी संदेश देता है। गौरतलब है कि कोयलांचल समेत आसपास इलाके में शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा के अलग अलग स्वरूपों का विधिवत पूजा अर्चना उपरांत शनिवार को विजयादशमी पर्व पर रावण दहन किया गया। नगर के मुख्य समारोह दुर्गा पूजा आयोजन के तहत दशहरा मैदान में इस वर्ष शनिवार की शाम क्षेत्रीय महाप्रबंधक अजय तिवारी द्वारा विधिवत पूजा अर्चना उपरांत रावण के पुतले का भव्य

विजयादशमी को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। देर रात तक लोग मेला का लुत्फ उठाते दिखाई पड़े। विजयादशमी पर्व पर शांति व्यवस्था बनाए रखने पुलिस जगह जगह तैनात किए गए थे। रामनगर में विजयादशमी के अवसर पर रावण दहन के अलावा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सिलफिली में कैबिनेट मंत्री रहीं अतिथि

विजयादशमी के अवसर पर सिलफिली में पिलखा सेवा समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य शोभायात्रा निकाली गई। साथ ही कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक लक्ष्मी राजवाड़े के आतिथ्य में रावण दहन कार्यक्रम किया गया। यहां पर भव्य आतिशबाजी के साथ रावण दहन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके अलावा अन्य विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विधिवत हुए शस्त्र पूजन

विजयादशमी के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बिश्रामपुर थाना प्रभारी अलरिक लकड़ा व जयनगर थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह के अलावा लटोरी चौकी प्रभारी विराट विशी व करंजी चौकी में प्रभारी अरुण गुप्ता द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर शस्त्र पूजन किया गया। साथ ही नगर के क्षत्रिय भवन में भी विजयादशमी के अवसर पर विधिवत पूजा अर्चना कर शस्त्र पूजन किया गया। इस दौरान समाज के सुजीत सिंह, डॉ. प्रशांत सिंह, रमेश सिंह, सुनील सिंह, राहुल सिंह युवा अध्यक्ष, गौतम सिंह युवा सचिव, दीपेंद्र सिंह चौहान, जितेंद्र बहादुर सिंह, सुशील सिंह, धर्मेंद्र सिंह डीके, अभिषेक सिंह सोमू, विकास सिंह, अंकित सिंह चौहान, अवनीश सिंह विधायक, कृष्णा सिंह, विनोद सिंह व अन्य उपस्थित थे।

करवां सरकारीपारा में हुआ रावण दहन

बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत करवां के सरकारीपारा में पूरे नौ दिनों तक मातारानी की विधिवत पूजा अर्चना करने उपरांत दुर्गा पूजा समिति द्वारा विजयादशमी के दूसरे दिन रविवार को करीब 30 फीट रावण के पुतले का भव्य आतिशबाजी के साथ दहन कार्यक्रम किया गया। यहां पर इस नए परंपरा की शुरुआत पहली बार आयोजन समिति द्वारा की गई है।

दुर्गा पंडालों में विराजित मातारानी की प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पूरे नौ दिनों तक मातारानी की विधिवत पूजा अर्चना करने उपरांत आज विभिन्न दुर्गा पंडालों में विराजित मातारानी की प्रतिमाओं को पूजा अर्चना करके विसर्जित कर दिया गया। गौरतलब है कि शारदीय नवरात्रि पर कोयलांचल समेत आसपास इलाके में दर्जन भर से अधिक दुर्गा पंडालों में भक्तों द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमाओं को विराजित कराकर विधिवत पूजा अर्चना की गई। शारदीय नवरात्रि में पूरे नौ देवियों के अलग अलग स्वरूपों की पूजा अर्चना करने उपरांत विजयादशमी के दूसरे दिन रविवार को मातारानी की प्रतिमाओं को विसर्जित करा दिया गया। नगर के बंगाली क्लब में विराजित दुर्गा प्रतिमा के अलावा दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण में स्थित दुर्गा प्रतिमा, सिलफिली, रामनगर, कंदरई, राजापुर, सिलफिली, संजयनगर महावीरपुर, लटोरी व अन्य स्थानों में विराजित दुर्गा प्रतिमाओं का विधिवत पूजा अर्चना करके ढोल नगाड़ों के साथ विसर्जित किया गया। नगर के मुख्य दुर्गा पूजा पंडाल गौरीशंकर मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा को आज रविवार होने की वजह से सोमवार 14 अक्तूबर को विसर्जित किया जाएगा। दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन कार्यक्रम को लेकर पुलिस बल भी तैनात किए गए थे। साथ ही रेण नदी के पास रेस्क्यू टीम की ड्यूटी लगाकर तैनाती की गई थी। मातारानी की प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान आमजन की आंखे नम हो गई थीं।

शारदीय नवरात्रि में आयोजित विविध स्पर्धा के प्रतिभागी सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शारदीय नवरात्रि महोत्सव अंतर्गत ग्राम पंचायत करवां में आयोजित विविध स्पर्धाओं के विजेताओं को विजयादशमी के दिन सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राम पंचायत करवां में श्री नव दुर्गा पूजा सेवा समिति के तत्तावधान में हर्षोल्लास के साथ शारदीय नवरात्रि महोत्सव मनाया गया। पूरे नौ दिनों तक विधिवत पूजा अर्चना के साथ ही आयोजन समिति द्वारा विविध स्पर्धा का भी कार्यक्रम संपन्न कराया गया था। 0 से 12 वर्ष एवं 12 वर्ष से ऊपर के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रस्तुति दिया गया था। प्रतिभागियों को विजयादशमी के दिन पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि अमर साय राजवाड़े एवं भवानी मेडिकल के संचालक मोहित अग्रवाल थे। 12 वर्ष से ऊपर के प्रतिभागियों को मोहित अग्रवाल द्वारा प्रथम पुरस्कार 3100 रुपए नगद, द्वितीय पुरस्कार 2100 रुपए नगद, तृतीय पुरस्कार 1100 रूपए

नगद राशि दिया गया। साथ ही 0 से 12 वर्ष के प्रतिभागियों को समिति के अध्यक्ष अमर साय राजवाड़े एवं सदस्यों द्वारा प्रथम पुरस्कार 2100 रुपए नगद, द्वितीय 1500 रुपए, तृतीय 1000 रुपए नगद राशि प्रदान किया गया। दुर्गा पंडाल में गरबा एवं डांडिया नृत्य का भी आयोजन किया गया। इसके बाद मां दुर्गा की प्रतिमा का विधिवत पूजा अर्चना कर सैलाबांध में विसर्जन किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अमर साय राजवाड़े, राजकुमार कुशवाहा, ललन सिंह, महेश कुशवाहा, प्रज्ञा कुशवाहा, संतोष कुशवाहा फलेश्वर कुशवाहा, श्रीराम कुशवाहा, नंदकिशोर कुशवाहा, तेज प्रताप सिंह, दुर्गा प्रसाद साहू, मधुसूदन कुशवाहा, संजय कुशवाहा, नरेश गुप्ता, मृत्युंजय कुशवाहा, सुनील कुशवाहा, रामेश्वर कुशवाहा, मानिकचंद कुशवाहा, जनार्दन कुशवाहा, सुशील कुशवाहा, प्रकाश कुशवाहा, नरेश कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, रवि कुशवाहा, राम सिंह, विनोद कुशवाहा, टेकचंद कुशवाहा सहित अन्य सक्रिय रहे।

ऑल इंडिया स्तर पर तेज गेंदबाजों का ट्रायल चेन्नई में संपन्न

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पूर्व भारतीय गेंदबाज कोच एवं वर्तमान में श्रीलंका क्रिकेट टीम के कोचिंग स्टाफ भरत अरुण ने ऑल इंडिया तेज गेंदबाजों का ट्रायल 12 एवं 13 अक्टूबर को चेन्नई के एकेडमी में आयोजित किया। जिसमें देशभर से 500 से अधिक तेज गेंदबाजों ने हिस्सा लिया।

तीन राउंड के ट्रायल पश्चात 16 तेज गेंदबाज ही अंतिम चरण तक पहुंच सके। इस ट्रायल में छत्तीसगढ़ की ओर से बिश्रामपुर निवासी यूपी केशरी के पुत्र सौम्य केशरी 19 वर्ष ने भी भाग लिया था। सौम्य केशरी ने तीनों राउंड में सफलता प्राप्त करते हुए अंतिम 16 में जगह बनाई है।

किसानों को नई तकनीक की खेती हेतु दी जा रही जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रावे कार्यक्रम राजमोहिनी देवी कृषि विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र अजीरमा के छात्रों द्वारा आसपास के ग्रामीण इलाकों के किसानों को नई तकनीक की खेती की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। छात्रों द्वारा ग्राम पंचायत अजबनगर, रविंद्रनगर, संजयनगर, मदनपुर के वैज्ञानिक विधि से खेती करने की इच्छुक किसानों को नई-नई तकनीक के जानकारी दी जा रही है। प्राचीन पद्धति एवं ग्रामीण पद्धति से कैसे खेती किया जाता है उसकी भी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। कृषि वैज्ञानिकों एवं छात्र छात्राओं द्वारा खेत तैयारी से लेकर अपने फसल उत्पादन, बाजार में किस तरह लिया जाए वहां तक की जानकारी किसानों को दी जा रही है। इस अभियान में रावे छात्र क्रमशः राजबल्लभ सिंह, मनोज विश्वास, ऋषिकांत शर्मा, पल्लवी पांडेय, वर्षा सक्रिय रहे।

पाझर नाला पुल रेलिंग की मरम्मत पूरी, भारी वाहनों की आवाजाही बहाल

रायगढ़, छ.ग. फ्रंटलाइन। पूंजीपथरा तमनार मार्ग में ग्राम आमाघाट के पास क्षतिग्रस्त पाझर नाला सेतु के मरम्मत का काम पूरा कर लिया गया है। यहां से भारी वाहनों की आवाजाही भी शुरू कर दी गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसडीओ पीडब्ल्यूडी श्री एम.एस.नायक ने बताया कि बीते दिनों भारी वाहन की टक्कर से पुल की रेलिंग और रिटेनिंग वॉल क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिसके चलते यहां से भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया था। पुल के रेलिंग की मरम्मत पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा की जा चुकी है। यहां फ्लाईऐश सुपर साइज ब्रिक की वॉल बनाई गई है। जिसके पश्चात अब पुल से भारी वाहनों की आवाजाही बहाल कर दी गई है।

रायगढ़ को विकास कार्यों की लगातार मिल रही सौगात

रायगढ़, छ.ग. फ्रंटलाइन। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी की पहल से रायगढ़ जिले में विकास कार्यों की लगातार सौगात मिल रही है। इसी क्रम में वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने आज लोईंग महापल्ली क्षेत्र में 12 करोड़ 90 लाख की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारा सिर्फ एक ही ध्येय है कि रायगढ़ का अधिक से अधिक विकास हो। यहां अधोसंरचना विकास और जन सुविधा से जुड़े निर्माण कार्यों को लगातार स्वीकृति दी जा रही है। आज सड़क निर्माण कार्यों के साथ लोईंग में बनने वाले आईटीआई भवन निर्माण के साथ ही बटमुल आश्रम महाविद्यालय में अतिरिक्त निर्माण कक्ष का भी भूमिपूजन किया गया है। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि हम लगातार विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। निर्माण कार्यों को मंजूरी देने के बाद अब बारिश खत्म होते ही सभी कार्यों के टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करवाया जा रहा है। जिससे इन सुविधाओं का लाभ यहां के निवासियों को मिल सके। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों से कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा इन दो बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। काम की क्वालिटी से कहीं भी समझौता नहीं चलेगा, निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि महापल्ली में 29 लाख की लागत से महतारी सदन का निर्माण होगा। जिसका संचालन महिलाओं द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव, श्री विजय अग्रवाल, श्री सुकलाल चौहान, श्री सूरत पटेल, श्री अनंत राम चौहान, श्री एन.आर.प्रधान, ईई पीडब्ल्यूडी श्री अमित कश्यप, एसडीओ श्री एम.एस.नायक सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

3.44 करोड़ से लोईंग में आईटीआई भवन का निर्माण होगा

वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि आईटीआई भवन निर्माण से यहां पढने वाले छात्रों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर का लाभ मिलेगा। साथ ही यहां नए ट्रेड भी शुरू किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि आईटीआई से छात्र स्किल सीखते हैं जो यहां उद्योगों में रोजगार पाने के साथ ही खुद का व्यवसाय शुरू करने में उन्हें मदद करेगा। इस मौके पर उन्होंने मौजूद छात्रों को मन लगाकर पढने और हुनरमंद बन अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाने की बात कही।

12 करोड़ 90 लाख की लागत के इन कार्यों का हुआ भूमिपूजन

वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने आज 12 करोड़ 90 लाख रुपए के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। जिसमें 5 करोड़ 46 लाख से रायगढ़-लोईंग महापल्ली जामगांव मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई-8.60 कि.मी, 2 करोड़ 8 लाख की लागत से कोतरलिया बस्ती पहुंचमार्ग का निर्माण लंबाई 1.55 कि.मी., 1 करोड़ 83 लाख की लागत से बस्ती जामगांव-छुहीपाली-जूनाडीह मार्ग का निर्माण कार्य, लंबाई 2.40 कि.मी., 3 करोड़ 44 लाख की लागत से लोईंग महापल्ली में नवीन आई.टी.आई. भवन का निर्माण कार्य तथा बटमूल आश्रम कॉलेज में विधायक मद अंतर्गत स्वीकृत 7 लाख 67 हजार की लागत से अतिरिक्त कक्षों के निर्माण कार्य शामिल हैं।

ओडिसा से जोडने वाले कोयलंगा नाला पुल का निर्माण प्राथमिकता से करें पूरा- वित्त मंत्री श्री ओ. पी.चौधरी

अंचल के लोगों के आवागमन की सुविधा को देखते हुए वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने 2 करोड़ 89 लाख की लागत से बनने वाले कोयलंगा पुल के निर्माण कार्य को प्रारंभ करवाते हुए काम को तेजी से पूरा करने के निर्देश ईई पीडब्ल्यूडी को दिए। उन्होंने कहा कि इससे इस क्षेत्र के लोगों की ओडिसा से कनेक्टिविटी बेहतर होगी और उन्हें कम दूरी तय करनी पड़ेगी। पुल निर्माण कार्य प्रारंभ होने पर स्थानीय निवासियों ने हर्ष जताते हुए वर्षों से लंबित मांग को पूरा करने पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी को धन्यवाद दिया।

बालको की विभिन्न परियोजनाओं से लड़कियां बन रही हैं सशक्त

कोरबा, **छ.ग. फ्रंटलाइन।** शक्ति की उपासना के ये नौ दिन, उर्जा आत्मसात करने के होते हैं। सही मायने में शक्ति को पहचानना ही नवरात्र उत्सव मनाना है। महिलाएं अपने आंतरिक शक्ति को पहचानते हुए समाज में खुद को सशक्त बना रही हैं। कंपनी ने स्थानीय समुदाय की लड़कियों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उल्लेखनीय पहल कियें हैं। समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कंपनी के सामुदायिक विकास प्रयासों में प्रमुख स्तंभ है। लड़कियों के स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वावलंबन, पोषण और मार्गदर्शन में कंपनी द्वारा संचालित नंदघर, वेदांता स्किल स्कूल, नयी किरण एवं कनेक्ट परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहें हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से अनिल अग्रवाल फाउंडेशन द्वारा नंद घर अत्याधुनिक आंगनवाड़ी मॉडल प्रदान करता है, जो ई-लर्निंग से सुसज्जित है। बच्चे की विकासात्मक यात्रा में स्कूली शिक्षा की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह आजीवन सीखने, मानसिक विकास और आवश्यक सामाजिक कौशल का निर्माण करता है। कंपनी, बाला (बिल्डिंग एज लर्निंग एड) पेंटिंग और डिजिटल लर्निंग सहित इंटरैक्टिव लर्निंग मॉडल के माध्यम से सर्वोत्तम श्रेणी के पाठ्यक्रम प्रदान करने का काम कर रही है। बालको द्वारा संचालित 33 नंद घर में 50 प्रतिशत से अधिक 423 बच्चियां बेहतर शिक्षा एवं पोषण प्राप्त कर रही हैं।

वर्ष 2016 में 'परियोजना कनेक्ट' की शुरूआत की गई। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से स्थानीय लड़कियों को आगामी पढ़ाई के लिए बेहतर अवसर प्राप्त हुए। कनेक्ट परियोजना के माध्यम से सेमा (विज्ञान, अंग्रेजी, गणित और लेखा) विषयों पर नियमित कक्षाओं से छात्राएं लाभान्वित हुई हैं। साथ ही व्यक्तित्व विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस परियोजना में कला, शिल्प, नृत्य, संगीत, कैलीग्राफी, स्पोकेन इंग्लिश, मिट्टी के बर्तन, योग और एरोबिक्स आदि का ज्ञान दिया जाता है।

कंपनी ने समुदाय में नयी किरण परियोजना के अंतर्गत माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबंधन पर जागरूकता अभियान चलाया। माहवारी संबंधी मिथकों और भ्रांतियों को दूर करते हुए स्वच्छता प्रथाओं को विकसित किया है। कंपनी ने छत्तीसगढ़ राज्य में जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से 48,000 से अधिक लोगों को जागरूक किया है। इसकी मदद से लड़कियां खुलकर माहवारी जैसे विषय पर बात कर रही हैं। रोजगारपरक कौशल से स्वावंलबी बनाने के उद्देश्य से बालको ने 2010 में वेदांता स्किल स्कूल की स्थापना की थी। वित्तीय वर्ष 2024 में 1241 प्रशिक्षार्थियों को कार्यक्रम से लाभ हुआ जिनमें 72ः छात्राएं थीं। वेदांता स्किल कुल सात ट्रेडों में मुफ्त आवासीय प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। 45 से 60 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इससे स्थानीय लड़कियों को रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हुए हैं तथा वो बाधाओं को पीछे छोड़ राष्ट्र विकास में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

मां सर्वमंगला मंदिर से जौ कलश विसर्जन यात्रा निकाली गई

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। नवरात्र पर्व का उत्साह अंतिम दिन भी उत्कर्ष पर रहा है। हरदेव नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध मां सर्वमंगला मंदिर व पंडालों में परंपरागत रीति रिवाज से पूजा आराधना की गई। मां सर्वमंगला मंदिर से जौ कलश विसर्जन यात्रा निकाली गई। सैकड़ो जौ कलश की विसर्जन शोभायात्रा को देखने भक्तों की खासी तदाद में उपस्थिति देखी गई। बाजे गाजे और देवी जस गीत के साथ कलश को हसदेव नदी में विसर्जित किया गया। यहां माँ सर्वमंगला देवी मंदिर के राजपुरोहित पं. नन्हा पाण्डेय (नमन) सहित अन्य पुजारियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद विसर्जन कराया।

बता दें कि नवमी तिथि को ही नवरात्रि के पहले दिन स्थापित किए गए जवारों का विधि-विधान से विसर्जन किया जाता है। जवारे विसर्जन के पूर्व दुर्गा माता तथा जवारों की विधि-विधान से पूजा की जाती है, उसके बाद जवारे का विसर्जन किया जाता है। दुर्गा माता की आराधना के लिए नवरात्रि के नौ दिन महत्वपूर्ण माने जाते हैं। वहीं पूरे नौ दिन मां की पूजा और आराधना के बाद दुर्गा पूजा उत्सव का समापन दुर्गा विर्सजन के साथ होता है।

महानवमी पर देवी मंदिर के साथ आरपी नगर फेस वन, टीपी नगर टैगोर उद्यान, पुराना बस स्टैंड, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, रविशंकर नगर सहित अन्य पंडालों में भोग-भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए पंडाल में श्रद्धालुओं तांता लगा रहा। नवरात्रि के नवमी तिथि को भक्तों द्वारा अपने घरों पर कन्या भोज का आयोजन किया। विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद कन्याओं को भोजन कराया और आशीर्वाद प्राप्त किया। नवरात्र की समाप्ति पर माता का रूप माने जाने वाली कन्याओं के लिए श्रद्धालुओं द्वारा कन्या भोज का आयोजन किया जाता है। यह मान्यता है कि नवरात्र के अंतिम दिन माता स्वरूप कन्याओं की पूजा अर्चना कर उन्हें भोजन कराने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती है। कन्याओं की विशेष पूजा अर्चना की गई। देवी स्वरूप नव कन्या के पैरों को दूध व शुद्ध जल से धोकर, पैरों में महावर, मस्तक पर तिलक लगाकर, चुनरी ओढाकर विधि विधान से पूजा अर्चना कर खीर-पूड़ी व अन्य पकवान खिलाकर उपहार भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पीएम गतिशक्ति के तीन साल पूरे

भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली परिवर्तनकारी पहल : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली, पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) को तीन साल पूरे हो गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। बता दें, प्रधानमंत्री ने 13 अक्टूबर 2021 को पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान की शुरूआत की थी। इसका उद्देश्य विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों को मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना था।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने एक्स पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। इसने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में तेज और अधिक प्रभावी विकास हुआ है। उन्होंने आगे कहा, विभिन्न हितधारकों के निर्बाध एकीकरण से लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा मिला है, देरी कम हुई है और कई लोगों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं।

मोदी ने एक्स पर पोस्ट में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को भी टैग किया। गोयल ने इस पहल के तीन साल पूरे होने पर इसकी सराहना की। गोयल ने कहा, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान शुरू किए तीन साल पूरे हो गए हैं। लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करने और कनेक्टिविटी को आगे बढ़ाकर, यह अग्रणी पहल तेजी से और अधिक कुशल परियोजना कार्यान्वयन सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि यह एक आधुनिक, परस्पर जुड़े बुनियादी ढांचे के नेटवर्क को विकसित करने, विकसित भारत के निर्माण के दृष्टिकोण को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

लखनऊ में दलित युवक की हिरासत में मौत

4 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा- प्रदर्शन से लगा जाम; पुलिस से धक्का-मुक्की

एजेंसी

लखनऊ। विकास नगर सेक्टर आठ में शुक्रवार रात को आंबेडकर पार्क से जुआ खेलने के आरोप में पकड़े गए 25 वर्षीय दलित युवक अमन की पुलिस हिरासत में हुई मौत के मामले में सियासत तेज हो गई है। शनिवार शाम को बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की थी, वहीं रविवार को आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद, मोहनलालगंज से सपा सासंद आरके चौधरी समेत अन्य विपक्षी दल के नेता पीड़ित परिवार से मिलने के लिए पहुंचे। सभी ने दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

पत्नी बोली– पुलिस ने पीट-पीट कर मार डाला

उधर, मृतक के घरवालों ने रविवार को भी खुर्रमनगर जाने वाली सड़क को जाम कर प्रदर्शन किया। मृतक की पत्नी का आरोप है कि दोस्त की बेटी की बर्थडे पार्टी की तैयारी करा रहे उनके पति को पुलिस ने जबरन पकड़ा और उसकी पिटाई भी की, जिससे मौत हुई है।

परिवारीजन के प्रदर्शन और राजनीतिक दलों की मांग पर पत्नी की तहरीर पर एक नामजद विकास नगर थाने में तैनात सिपाही शैलेंद्र समेत अन्य चार पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज किया है। सभी पर गैर इरादतन हत्या की धारा लगाई गई है। सभी पर एससी-एसटी एक्ट की भी धाराएं लगाई गई हैं।

जुआ खेलने की सूचना पर पहुंची थी पुलिस

विकासनगर सेक्टर आठ अंबेडकर पार्क में शुक्रवार देर रात जुआ खेले जाने की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। मौके से पुलिस ने 25 वर्षीय अमन और उसके साथी को पकड़ा था और थाने लेकर आई तभी अमन बेसुध हो गया था। पुलिस वाले उसे अस्पताल ले गए, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। परिवारीजन का आरोप कि पुलिस ने अमन को बुरी तरह से पीटा, जिससे उसकी मौत हुई है। उधर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया है। मौत की जानकारी मिलते ही परिवारीजन ने खुर्रमनगर जाने वाली सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

एक करोड़ के मुआवजे की मांग

पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। एक करोड़ रुपये मुआवजा, नौकरी और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग करने लगे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की भी हो गई। मौके पर पहुंचे एडीसीपी उत्तरी जितेंद्र कुमार दुबे, एसीपी अनिद्य विक्रम सिंह समेत अन्य लोगों ने कार्रवाई का आश्वासन देते हुए समझाया। बावजूद इसके कोई नहीं माना। इस पर पुलिस ने खुर्रमनगर जाने वाले एक मार्ग को बंद कर दिया।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,634.72

निफ्टी 25,013.85

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को मुफ्त में महाप्रसाद वितरित करने की योजना

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में महाप्रसाद श्रद्धालुओं को मुफ्त में वितरित करने की योजना बना रही है। राज्य के विधि मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने यह जानकारी दी। हरिचंदन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जल्द ही इस योजना को मूर्त रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुफ्त में महाप्रसाद वितरित करने के फैसले को लागू करने पर सरकार को सालाना 14 से 15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। हरिचंदन ने कहा, हम आर्थिक रूप से संपन्न कुछ श्रद्धालुओं को इस योजना से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ पहले ही इस पहल में सहयोग को सहमत हो चुके हैं।

मंत्री ने कहा कि इस पहल को पवित्र उड़िया महीने कार्तिक के बाद लागू किये जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, कार्तिक माह के दौरान विशिष्ट अनुष्ठान करने वाली महिलाओं हबिसयाली के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। हरिचंदन ने कहा, हमने सार्वजनिक दर्शन (जगन्नाथ मंदिर) को सुव्यवस्थित करने के लिए एक योजना बनानी शुरू की है। एक समर्पित प्रणाली स्थापित की जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को 12वीं सदी के मंदिर में आने में कोई परेशानी न हो।

नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीरों की मौत का मामला

राहुल गांधी ने मोदी सरकार की अग्निपथ योजना पर फिर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली, महाराष्ट्र के नासिक में हाल ही में प्रशिक्षण के दौरान दो अग्निवीरों की मौत हो गयी थी। इस मामले के सामने आने के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को मोदी सरकार की अग्निपथ योजना पर सवाल उठाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सवाल पूछा कि एक सैनिक की जिंदगी दूसरे सैनिक की तुलना में अधिक मूल्यवान क्यों है? इसके अलावा उन्होंने यह भी सवाल किया कि अग्निवीर के रूप में शहीद हुए दो सैनिकों के परिवारों को अन्य शहीद सैनिकों के समान पेंशन और लाभ क्यों नहीं मिलेंगे?

रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने लिखा, नासिक में प्रशिक्षण के दौरान दो अग्निवीर गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित की मौत एक दर्दनाक घटना है। उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने में इखढ सरकार असफल रही है।

इस पोस्ट में आगे गांधी ने मोदी सरकार से सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि क्या गोहिल और सैफत के परिवारों को समय पर मुआवजा मिलेगा, जो किसी अन्य जवान की शहादत के बराबर हो? अग्निवीरों के परिवारों को पेंशन और अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ क्यों नहीं मिलेगा? जब दोनों ही सैनिकों की ज़िम्मेदारियां और बलिदान समान हैं, तो उनके शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों?

राहुल ने कहा कि अग्निपथ योजना सेना के साथ अन्याय है और हमारे वीर जवानों की शहादत का अपमान है। उन्होंने पोस्ट में आगे कहा कि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री को जवाब देना चाहिए कि क्यों एक सैनिक की ज़िंदगी दूसरे सैनिक से अधिक मूल्यवान है?

राहुल ने जनता से अपील की कि मिलकर इस अन्याय के खिलाफ खड़े हों। इखढ सरकार की अग्निवीर योजना को हटाने के लिए, देश के युवाओं और सेना के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए हमारे जय जवान आंदोलन से आज ही जुड़ें! बता दें, नासिक जिले के आर्टिलरी सेंटर में परीक्षण के दौरान एक गोले के फट जाने से अग्निवीरों गोहिल और सैफत की मौत हो गई थी।

नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीर - गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित - का निधन एक दर्दनाक घटना है। उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ में युवक की हत्या कर शव पुल के नीचे फेंका, दो गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ , उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की जानकीपुरम पुलिस ने 20 वर्षीय एक युवक की हत्या के मामले में शनिवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। लखनऊ पुलिस आयुक्तालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार मोहम्मद आफताब (20) आठ अक्टूबर की शाम को घर से लापता हो गया था। बाद में उसका शव मडियांव पुलिस थाना क्षेत्र में घैला पुल के नीचे से 11 अक्टूबर को बरामद किया गया। आफताब के पिता मोहम्मद अल्ताफ ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि आफताब की हत्या उसी इलाके के रहने वाले फाजिल और अफाक ने की थी।

सबरीमला में स्पॉट बुकिंग नहीं होगी, सभी श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे : मंत्री वी.एन. वासावन

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । केरल के देवस्वोम मंत्री वी.एन. वासावन ने स्पष्ट किया कि सबरीमला में स्पॉट (मौके पर) बुकिंग नहीं होगी लेकिन साथ ही आश्वस्त किया कि वार्षिक मंडलम-मकरविलक्कु तीर्थयात्रा के दौरान भगवान अयप्पा मंदिर आने वाला कोई भी श्रद्धालु दर्शन से वंचित नहीं रहेगा। यह आश्वासन तब दिया गया है जब एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी वार्षिक तीर्थाटन के दौरान सबरीमला मंदिर में केवल वर्चुअल कतार बुकिंग प्रणाली के माध्यम से दर्शन की अनुमति देने के फैसले को लेकर आंदोलन करने की धमकी दी थी। वर्चुअल कतार प्रणाली के तहत, तीर्थयात्री सबरीमाला मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपने दर्शन टिकट और प्रसाद ऑनलाइन बुक कर सकते हैं। स्पॉट बुकिंग में तीर्थयात्री देवस्वोम बोर्ड द्वारा चिह्नित केंद्रों पर अपने दर्शन की बुकिंग कर सकते हैं। विपक्षी कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) भी सरकार से वर्चुअल कतार प्रणाली के साथ ही स्पॉट बुकिंग बनाए रखने का अनुरोध कर रहा है। वासावन ने कहा कि सबरीमला मंदिर का प्रबंधन करने वाली शीर्ष संस्था त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अध्यक्ष ने हाल ही में आश्वासन दिया था कि मंदिर में आने वाले सभी तीर्थयात्री भगवान अयप्पा के दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सबरीमला में स्पॉट बुकिंग की अनुमति नहीं होगी लेकिन मंदिर मार्ग पर प्रतीक्षालयों में तीर्थयात्रियों के लिए दर्शन का समय बुक करने के वास्ते अक्षय केंद्र बनाए जाएंगे। मंत्री ने कहा, इसलिए सभी रीति-रिवाज निभाने के बाद तीर्थयात्रा के लिए आने वाले किसी भी श्रद्धालु को दर्शन के अवसर से वंचित नहीं किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश: बागपत में एक्सप्रेस वे पर ट्रक और कैंटर की टक्कर में तीन लोगों की मौत

संवाददाता

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर रविवार को एक तेज रफ्तार ट्रक और कैंटर की टक्कर में सड़क किनारे खड़े तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। खेकड़ा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) ने बताया कि हादसा बागपत के थाना चांदीनगर क्षेत्र के लहचौड़ा गांव के पास ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर रविवार तड़के करीब पांच बजे हुआ है। मृतक के परिजन के मुताबिक, तेज रफतार ट्रक चालक की लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ।

दिल्ली में 1,300 किलोग्राम से अधिक अवैध पटाखे जब्त, तीन लोग गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली, दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों से 1,300 किलोग्राम से अधिक अवैध पटाखे जब्त करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों की पहचान मनोज कुमार, संजय अत्री और विपिन कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि मनोज कुमार प्रतिबंधित पटाखे बेचने में शामिल था और अत्री पटाखों की आपूर्ति करता था। पुलिस उपायुक्त (अपराध) सतीश कुमार ने कहा, दो गोदामों से कुल 1,323 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे जब्त किए गए। दोनों गोदामों के मालिक और पटाखे की आपूर्ति करने वाले वाहन चालक को पकड़ लिया गया है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को बाहरी दिल्ली के बापरोला गांव में छापेमारी की और अवैध पटाखे जब्त किए। पुलिस के अनुसार पहले मनोज कुमार और वाहन चालक संजय अत्री को पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान दोनों ने खुलासा किया कि वे प्रेम नगर और किराड़ी इलाकों में पटाखों की आपूर्ति करते थे। डीसीपी ने कहा, दोनों ने एक और गोदाम के बारे में बताया, जहां से विपिन को गिरफ्तार किया गया। हमने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

बाबा सिद्दीकी की मौत अस्पताल में भर्ती होने से पहले ही हो गयी थीः चिकित्सक

एजेंसी

मुंबई के लीलावती अस्पताल के एक चिकित्सक ने कहा है कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की मौत संभवतः अस्पताल में भर्ती कराए जाने से पहले ही हो गयी थी। सिद्दीकी को गोली लगने के बाद मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

उन्होंने बताया कि सिद्दीकी को शनिवार रात गोली लगने के बाद जब लीलावती अस्पताल लाया गया, तब वह बेहोश थे। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों ने उन्हें बचाने की करीब दो घंटे तक कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता बाबा सिद्दीकी (66) को शनिवार रात मुंबई के बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर तीन लोगों ने गोली मार दी। उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शनिवार रात को घटना के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अस्पताल के चिकित्सकों ने कहा, उनकी छाती में सामने की तरफ दो गोलियां लगी थीं। बहुत खून बह चुका था और जब उनके परिवार के सदस्य उन्हें अस्पताल लेकर आए तो वह बेहोश थे। यह पूछे जाने पर कि क्या बाबा सिद्दीकी की मृत्यु अस्पताल लाये जाने से पहले ही हो गई थी, चिकित्सकों में से एक ने कहा, यह संभव है। जब उन्हें लाया गया तो उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। वह बेहोश थे। हमने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन शनिवार रात 11.27 बजे सिद्दीकी को मृत घोषित कर दिया गया। चिकित्सकों ने बताया कि उन्होंने उनकी जान बचाने के लिए करीब दो घंटे तक कोशिश की। उन्होंने कहा कि राकांपा नेता को पहले इमरजेंसी वार्ड ले जाया गया और बाद में आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि दिल में कोई गतिविधि नहीं हो रही थी। राकांपा नेता को अन्य चोटें भी लगी होने के बारे में चिकित्सकों ने कहा कि पोस्टमार्टम से घावों की सही संख्या और प्रकृति का पता चलेगा। उन्होंने कहा, हमारे पास यह जांचने का समय नहीं था कि गोली लगने से कितने घाव हुए हैं। पोस्टमॉर्टम से आगे की जानकारी मिलेगी।

कर्नाटक के भाजपा सांसदों ने राज्य के लोगों को धोखा दिया : मुख्यमंत्री सिद्धरमैया

एजेंसी

मैसूर (कर्नाटक)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने प्रदेश के भाजपा सांसदों पर केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी को लेकर हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज नहीं उठाने के लिए निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने लोगों से राज्य के साथ हो रहे इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। पत्रकारों को संबोधित करते हुए सिद्धरमैया ने कहा कि राज्य को 6,498 करोड़ रुपये मिले हैं, जबकि उत्तर प्रदेश को 31,987 करोड़ रुपये मिले हैं, जो दोनों राज्यों की केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के बीच बहुत बड़ा अंतर दशार्ता है। उन्होंने कहा, लोगों को कर्नाटक के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है। केंद्र का समर्थन करने वाले भाजपा नेता राज्य के लोगों को धोखा दे रहे हैं, चाहे वह प्रह्लाद जोशी हों या कोई और। उन्होंने कहा, कर्नाटक से बहुत से सांसद गये हैं। उन्हें अपनी आवाजी उठाने की जरूरत है, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि राज्य को पांच वर्षों में केंद्रीय करों में हिस्सेदारी में 60,000 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। इस मामले में सरकार के अगले कदम के बारे में पूछे जाने पर, सिद्धरमैया ने कहा कि वह अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ इस पर चर्चा करेंगे। इस मुद्दे पर एक बयान में सिद्धरमैया ने सवाल उठाया, अपने खराब शासन के लिए बदनाम उत्तर प्रदेश को 31,962 करोड़ रुपये, बिहार को 17,921 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 13,987 करोड़ रुपये और राजस्थान को 10,737 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा, कर्नाटक के पसीने और मेहनत से उन राज्यों का विकास क्यों होना चाहिए जो कुशासन के कारण पिछड़ गए हैं। हुब्बली के अल्पसंख्यक समुदाय के दंगाइयों को क्षमादान देने के कैबिनेट के फैसले पर सिद्धरमैया ने कहा कि जब भाजपा सत्ता में थी तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कई नेताओं को भी रिहा किया गया था।

भगवान राम का जीवन हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है : ओम बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भगवान राम का जीवन और दर्शन हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। वह कोटा में 131वें राष्ट्रीय दशहरा मेला को संबोधित कर रहे थे, जहां शनिवार शाम को विजया दशमी के अवसर पर रावण का 80 फुट ऊंचा पुतला फूंका गया। बिरला इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा, भगवान राम ने आदर्श जीवन जीया और समाज के वंचित एवं गरीब वर्ग को अपने साथ लिया। उन्होंने अपने 14 साल के वनवास के दौरान उनके (वंचितों एवं गरीबों के) जीवन को बदलने के लिए काम किया और अंततः अहंकारी रावण को मार डाला। कोटा-बूंदी से सांसद बिरला ने कहा, भगवान राम का जीवन और दर्शन हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। इस समारोह में रावण के भाई कुंभकर्ण और बेटे मेघनाद के 60 फुट ऊंचे पुतले भी हरित पटाखों का इस्तेमाल कर फूंके गए। इस अवसर पर राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा, महापौर राजीव भारती और कोटा दशहरा मेला समिति के अध्यक्ष विवेक राजवंशी भी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

रावण आज भी जिंदा है.....

सदियों से रावण मर रहा है। यह सिलसिला त्रेता युग से जारी है। हर साल भारत और दुनिया के कई हिस्सों में रावण समेत मेघनाद और कुंभकर्ण के भी पुतले जलाए जाते हैं। विजयादशमी पर्व मनाया जाता है। अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की जीत के जश्न दीपावली तक जारी रहते हैं। तसल्ली रहती है कि हमने धर्म, बुराई, राक्षसत्व, पापाचार, अत्याचार आदि का दहन कर दिया। उनका अस्तित्व ही मिटा दिया, लेकिन ये जश्न और सोच बाहरी और दिखावटी हैं। दरअसल रावण हमारे भीतर की कामनाओं और राक्षसत्व का ही प्रतीक है, लिहाजा बार-बार उसका दहन कर हम उल्लास और पर्व मनाते हैं। रावण ने साधु के वेश में माता सीता का अपहरण किया था, लेकिन उनकी पवित्रता और पतिव्रता स्वरूप को छुआ तक नहीं था। रावण ने अपहरण के जरिए अपनी नियति तय की थी। आज अपहरण ही नहीं, 3-4 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाते हैं। उनके साथ बर्बरता की जाती है और अंततः उनकी हत्या भी कर दी जाती है। हमारे दौर की यह एक आम प्रवृत्ति बन गई है। ऐसे बलात्कारियों के भीतर कौनसा रावण बैठा है? रावण तो ऐसा नहीं था। वह प्रकांड पंडित, वेद-पुराण ज्ञाता, महापराक्रमी योद्धा, ब्रह्म-महादेव का अंतरंग भक्त, त्रिकालदर्शी आदि, न जाने क्या-क्या था, लेकिन उसे असुर, दैत्य, राक्षस समुदाय का माना गया। यह भी सवालिया है, क्योंकि रावण महान ऋषि विश्रवा और असुर कैकसी की संतान था, लिहाजा भारतीय सांस्कृतिक व्यवस्था के अनुसार, उसे किस वर्ण की संतान माना जाना चाहिए? बहरहाल हम रावण के ऐतिहासिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि को यहीं छोड़ते हैं। दरअसल हमारा सरोकार रावणत्व भाव से है, जो कई शक्लों, किस्मों, नस्लों, दुर्भावनाओं, पापाचार, अत्याचारों आदि के रूप में आज भी जिंदा है। रावण का पार्थिव शरीर मारा जा चुका है, लेकिन उसके प्रतीक-स्वरूप पुतले आज भी जलाए जा रहे हैं। फिर भी रावण जिंदा है। हम जो आतंकवाद, अलगाववाद, धर्म और जातिवाद, नफरती हिंसा, नफरती राजनीति, नफरती आह्वान और सर कलम कर देने के फतवे आदि देख-सुन और महसूस कर रहे हैं, वे आखिर क्या हैं? वे रावणत्व ही हैं। जो मानवीय भाव होने चाहिए, वे मर चुके हैं, लेकिन आज इनसान, दूसरे इनसान को, मार रहा है, राख कर रहा है, मानवता का ही हत्यारा बन चुका है। यह क्या है? बांग्लादेश में सरेआम जो कुछ हो रहा है, क्या उसका कोई बुनियादी कारण या तर्क है?

कट्टरपंथ के उकसावे में आकर, कुछ कठमुल्लाओं के भडकाने पर, कथित मुसलमानों की एक जमात हिंदुओं की हत्या कर रही है। उनके पूजास्थलों को अपवित्र कर रही है, तोड़-फोड़ भी की जा रही है। इन हिंसक हरकतों का हासिल क्या है? बांग्लादेश के हालात के समानांतर भारत में प्रधानमंत्री मोदी, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सरसंघचालक मोहन भागवत को बंटेंगे, तो काटे जाएंगे सरीखे बयान देने पड़े हैं। हिंदुओं के एकजुट होने के आह्वान किए जा रहे हैं। यह विभाजन क्या है? भारत में भी हिंदू-मुसलमान के आधार पर सियासत की जा रही है। उससे क्या राम-राज्य स्थापित होगा? देश विभक्त जरूर होता जाएगा। आम आदमी राक्षसत्व में डूबता जा रहा है। विश्व स्तर पर रूस-यूक्रेन युद्ध करीब अढाई साल से जारी है। इजरायल बनाम गाजा, हमास, हिजबुल्लाह आपस में बमबारी, मिसाइलबाजी कर तबाही कर रहे हैं। इन हत्यारे टकरावों से किसका निर्माण होगा या क्या मकसद पूरा होगा, जरा हमें समझा दीजिए। असंख्य लोग विस्थापित हो चुके हैं, मृतकों की संख्या हजारों में है और लगातार बढ़ती जा रही है, यह वीभत्स स्थिति तो कुरुक्षेत्र के महाभारत युद्ध में भी नहीं देखी गई थी। इनकी गहराई में भी रावण बैठे हैं। प्रभु राम ने तो कभी भी युद्ध की कल्पना तक नहीं की थी। बार-बार दूत भेजकर रावण को समझाने की कोशिश की थी कि वह माता सीता को सम्मान सहित लौटा दे। लेकिन रावण के भीतर जो राक्षस बैठा था, उसने समझौता नहीं करने दिया। अंततः रावण मारा गया। आज के संदर्भ में हमें लगता है कि रावण को हर साल जलाने का निहितार्थ यह नहीं है [illegible] करना चाहिए कि जो रावण हमारे भीतर आज भी जिंदा है, उसका अस्तित्व कैसे समाप्त किया जाए? जरूरत इस बात है कि समाज के सभी नागरिक राम जी के आदर्शों को अपनाएं। तभी राम राज्य वास्तविकता में साकार होगा।

इसी साल हुए लोकसभा के आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत पाने में नाकाम रही, वहीं हाल ही में हुए विधानसभा के आम चुनावों में जम्मू-कश्मीर में सत्ता हथियाने का उसका सपना चूर-चूर हो गया। इसके विपरित हरियाणा प्रदेश में आशा के विपरित चुनाव परिणाम मिलने से वह पूरी उत्साहित दिख रही है। राजधानी दिल्ली समेत झारखंड और महाराष्ट्र जैसे प्रदेशों में अगले कुछ दिनों में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने वाला है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इन परिणामों का असर इन राज्यों के चुनावों में भी देखने को मिल सकता है। हालांकि, उन राज्यों में भाजपा सत्ता से बाहर है। इन विस चुनाव परिणामों में कांग्रेस की हुई किरकिरी से उसके सहयोगी दलों का कांग्रेस पर दबाव भी बढ़ा है। भिाजपा के लिए चुनौती की बात यह है कि यदि महाराष्ट्र में वह 105 से कम सीटें जीतती हैं तो भविष्य में उसके राज्यसभा सांसदों की संख्या कम हो जाएगी। ऐसे में वह जिस महत्वाकांक्षी विधेयक 'एक देश एक चुनाव' को पारित कराना चाहती है, उसे पारित कराने में दिक्कतें आएंगी। इन्हीं सब मुद्दों पर आजकल का यह अंक...

भाजपा की जीत का असर दूर तक दिखेगा

दो टूक

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

> **हारी हुई बाजी को भाजपा पलटने में सफल रही। अब इस जीत से भाजपा का आत्मबल बढ़ेगा, नतीजतन इसका असर महाराष्ट्र, दिल्ली एवं झारखंड में होने वाले चुनावों में भाजपा के पक्ष में दिखाई दे सकता है। दरअसल जो अनुमान लगाए जा रहे थे, उनके पीछे गणित था कि भाजपा पिछले 10 साल से सत्तारूढ़ है, इसलिए उसे सत्ताविरोधी लहर की नाराजी भुगतनी पड़ेगी। शायद भाजपा ने भी इस हकीकत को चुनाव पूर्व भांप लिया था, अतएव चुनावी बाजी को जीत में बदलने के लिए पहला काम धर्मेंद्र प्रधान को हरियाणा का चुनाव प्रभारी बनाकर किया। धर्मेंद्र प्रधान इससे पहले बिहार और कर्नाटक में भी प्रभारी रहते हुए पार्टी को विजयश्री दिलाने में सफल रहे थे।**

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव के परिणामों से देश के दिग्गज राजनीतिक पंडित, चुनाव विशेषज्ञ और मतदान के बाद अनुमान लगाने वाली संस्थाएं अचंभित हैं। क्योंकि इनमें से ज्यादातर भाजपा को हरियाणा में जीत से बाहर रहने की गारंटी दे रहे थे। कांग्रेस को हरियाणा में अपने बलबूते न केवल स्पष्ट बहुमत, बल्कि दो तिहाई बहुमत के पार बता रहे थे। लेकिन नतीजे के बाद साफ हुआ कि ये अनुमान छह माह पहले हुए लोकसभा चुनाव के मनोवैज्ञानिक प्रभाव और हरियाणा के प्रभुत्वशाली वर्ग से बातचीत के आधार पर गढ़े गए हैं, इसलिए धराशायी हुए। दरअसल, इस अप्रत्याशित जीत के पीछे लोकसभा चुनाव की हार से नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का सबक लेना भी रहा है। गोया, हारी हुई बाजी को भाजपा पलटने में सफल रही। अब इस जीत से भाजपा का आत्मबल बढ़ेगा, नतीजतन इसका असर महाराष्ट्र, दिल्ली एवं झारखंड में होने वाले चुनावों में भाजपा के पक्ष में दिखाई दे सकता है। दरअसल जो अनुमान लगाए जा रहे थे, उनके पीछे गणित था कि भाजपा पिछले 10 साल से सत्तारूढ़ है, इसलिए उसे सत्ताविरोधी लहर की नाराजी भुगतनी पड़ेगी। शायद भाजपा ने भी इस हकीकत को चुनाव पूर्व भांप लिया था, अतएव चुनावी बाजी को जीत में बदलने के लिए पहला काम धर्मेंद्र प्रधान को हरियाणा का चुनाव प्रभारी बनाकर किया। प्रधान इससे पहले बिहार और कर्नाटक में भी प्रभारी रहते हुए पार्टी को विजयश्री दिलाने में सफल रहे थे।

हरियाणा में कांग्रेस का मतलब भूपेंद्र हुड्डा

प्रधान ने सबसे पहले सभी 90 विधानासभा क्षेत्रों का दौरा किया। कुरुक्षेत्र, पंचकुला और रोहतक में शिविर लगाए। ओड़िशा में भाजपा की जीत में मुख्य भूमिका निभाने वाले प्रधान ने मतदान केंद्र तक की समीक्षा की और पाया कि हरियाणा में कांग्रेस का मतलब सिर्फ भूपेंद्र सिंह हुड्डा है। अतएव पिछले दस साल से हरियाणा की कमान संभालते चले आ रहे, मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बना दिया। सैनी पिछड़े वर्ग से आते हैं। साथ ही सुरेंद्र नागर को राज्य का सह-चुनाव प्रभारी बनाया गया। नागर गुर्जर समाज से हैं। राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सतीश पुनिया ने जाट बहुल क्षेत्र की मनस्थिति बदलकर कांग्रेस के गढ़ में सेंध लगा दी। इस रणनीति ने हरियाणा के प्रभुत्वशाली जाट समुदाय के विपरीत दलित, पिछड़े और अन्य छोटे तबकों को लुभाने का काम किया। इस सामाजिक रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए संघ को [illegible] कमान सौंप दी गई। इसका परिणाम रहा कि जाट बनाम गैर जाट का मुद्दा अन्य सभी मुद्दों पर भारी पड़ गया। लिहाजा 2020 में बनाए गए तीन किसान कानून और फसलों पर

समर्थन मूल्य की मांग के मुद्दे फीके पड़ गए और भाजपा के सिर जीत का सेहरा बंध गया। जम्मू-कश्मीर में जो अनुमान थे, परिणाम लगभग उसी सोच के अनुरूप आए। यहां एनसी और कांग्रेस गठबंधन को 48 सीटें मिलीं तो भाजपा को 29 सीटों पर विजय मिली। कांग्रेस एनसी के साथ गठबंधन करके नुकसान में रही, वह मात्र छह सीटों पर सिमट गई। पीडीपी भी सिमट कर बमुश्किल तीन सीटें जीत पाईं। महबूबा की बेटी इल्तिजा मुफ्ती 9,770 मतों से चुनाव हार गईं।

घाटी में सुधारवादी नीतियों का प्रभाव नहीं

घाटी की जनता ने जहां महबूबा मुफ्ती की वंशवादी राजनीति का खात्मा किया, वहीं आतंक और अलगाववादी गतिविधियों में शामिल रहे एक भी प्रत्याशी को जीतने नहीं दिया। जम्मू-कश्मीर में 60 सीटें मुस्लिम बहुल और 30 हिंदू बहुल क्षेत्रों में थीं। घाटी में यह स्पष्ट रूप से देखने में आया है कि मुसलमानों में सुधारवादी नीतियों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। अंततः यह समुदाय धर्म के आधार पर ही वोट देता है। जम्मू-कश्मीर में भाजपा निर्दलीयों के भरोसे सरकार बनाने की उम्मीद कर रही थी, लेकिन नेशनल कांफ्रेंस की एकतरफा जीत ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भाजपा ने इन दोनों राज्यों में अपनी स्थिति संभलते हुए भाजपा विरोधी नेता और दलों को जता [illegible] दिया है कि भाजपा संवैधानिक लोकतंत्र की प्रबल पक्षधर है और उसकी नीतियां समरसतावादी है। जम्मू-कश्मीर को लेकर देश को ही नहीं दुनिया के कथित मानवाधिकारी संगठनों को यह उत्सुकता और आशंकाएं थीं कि नरेंद्र मोदी सरकार लोकतंत्र की कसौटी पर खरी उतरती है अथवा नहीं?

धार्मिक गुत्थी में उलझे हुए हैं मुस्लिम

पूर्वाग्रही वामपंथी चुनाव विश्लेषक कह रहे हैं कि घाटी ने अनुच्छेद-370 और 35-ए को पूरी तरह नकार दिया है। जबकि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि 60 सीटें मुस्लिम बहुल क्षेत्र में हैं। मुसलमान धार्मिक गुत्थी में हमेशा उलझा रहा है। प्रगातिषील सोच और सुधारवादी नीतियों का वह लाभ तो पूरा लेता है, लेकिन अपनी सांप्रदायिक जड़ता से मुक्त नहीं होना चाहता। अतएव घाटी में मुसलमानों ने 370 हटने के बाद पर्यटन से हुए लाभ को तो स्वीकारा, लेकिन एनसी को वोट इसलिए दिया, क्योंकि उसके मुखिया फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर एक मुस्लिम जनाधार वाली पार्टी के मुखिया हैं। आजादी के बाद से ही जम्मू-कश्मीर में एनसी या फिर पीडीपी राज करती चली जा रही हैं।

पीडीपी भी मुस्लिम बहुल पार्टी है। इन दोनों दलों के राज करते चले आने की वजह से ही कश्मीर में आतंक और अलगाववाद परवान चढ़ा और घाटी से करीब पांच लाख हिंदू, सिख और बोद्धों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा। इन परिणामों से यह संदेश निकलता है कि अंततः भारतीय [illegible] मुसलमान अपने भीतर समरसतावादी सोच विकसित नहीं कर पा रहे हैं।

हरियाणा ने हिलाया कांग्रेस का सियासी ट्रैक

उठापटक

अंजलि मिश्रा

राजनीतिक विश्लेषक

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद देश की मुख्य विपक्षी पार्टी एक बार फिर वहीं खड़ी दिखाई दे रही है, जहां वह लोकसभा चुनाव से पूर्व नजर आ रही थी। चुनाव के इन परिणामों ने साथ ही एक बार फिर यह भी दर्शाया है कि सब कुछ अनुकूल होते हुए भी जीती हुई बाजी हार कर अपने लिए मुसीबत बढ़ाने में कांग्रेस पार्टी का कोई मुकाबला ही नहीं है। अगर ऐसा नहीं होता तो इसी दिसंबर में अपनी स्थापना के 139 वर्ष पूरे करने जा रही कांग्रेस अपने इतिहास के लंबे कालखंड के सबसे संकटपूर्ण दौर में नहीं होती। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में पार्टी की अप्रत्याशित हार ने संकट के इस दौर में चुनौतियों की राह और बढ़ा दी है क्योंकि इसकी छाया केवल इस प्रदेश तक ही सीमित नहीं है। तमाम अन्य राज्यों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की राजनीतिक मुसीबतें एक बार फिर गहराती दिख रही हैं। विशेष कर तत्काल में झारखंड और महाराष्ट्र जैसे प्रदेशों में जहां अगले कुछ दिनों में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने वाला है।

अपनी जमीन बचाने की चुनौती

इन दोनों प्रदेशों में कांग्रेस गठबंधन में है और पार्टी के सामने अपनी राजनीतिक जमीन को सिकुड़ने से बचाने के साथ चुनावी जीत हासिल करने की दोहरी चुनौती है। उसकी मुसीबत दोहरी इसलिए है कि चाहे वह गठबंधन में हो मगर दोनों राज्यों में चुनाव नतीजे प्रतिकूल रहे तो सहयोगी दलों की बजाय इसका पूरा दारोमदार कांग्रेस पर ही आएगा। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन की एकजुटता और मजबूती पर काफी गंभीर असर पड़ सकता है। इसकी झलक हरियाणा के नतीजों से ही मिलने लगी है जब विपक्षी गठबंधन इंडिया के कई प्रमुख दल भाजपा से राजनीतिक मुकाबला करने में कांग्रेस की संगठनात्मक क्षमता पर सवाल उठा रहे हैं। वह चाहे शिवसेना यूबीटी, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी हो या फिर तृणमूल कांग्रेस। संकेत साफ हैं कि विपक्ष का नेतृत्व कर रही कांग्रेस को अपने मुख्य प्रतिद्वंदी भाजपा से लड़ने के अलावा अपने ही सहयोगी दलों की चुनौतियों से निरंतर रूबरू होते रहना पड़ेगा। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के बीच की यह आपसी प्रतिद्वंदिता अस्वाभाविक भी नहीं है। वास्तविकता यह है कि शिवसेना यूबीटी को छोड़कर विपक्षी गठबंधन में शामिल अधिकांश राजनीतिक पार्टियों का उदय उनके राज्यों में कांग्रेस के कमजोर होने से हुआ है। ऐसे में उत्तरप्रदेश में अखिलेश यादव हों, बंगाल में ममता बनर्जी, बिहार में लालू-तेजस्वी यादव या झारखंड में हेमंत सोरेन, ये सभी इस खतरे को लेकर हमेशा सशंकित तो रहेंगे ही कि कांग्रेस मजबूत होने लगेगी तो अपने सूबों में उनकी पार्टियों के लिए खतरा बढ़ने लगेगा।

पूरी जवाबदेही कांग्रेस पर रहेगी

हरियाणा के चुनाव में भाजपा बनाम कांग्रेस की सीधी लड़ाई में वहां के क्षेत्रीय दलों का जिस तरह लगभग सफाया हुआ है, वह भी इन नेताओं के लिए एक उदाहरण है। ऐसे में कांग्रेस को सहयोगी दलों का गठबंधन में होते हुए भी लगातार दबाव का सामना करना पड़ेगा। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से मुकाबला करने की इन परिस्थितियों में

भी पूरी जवाबदेही उसी पर है। इसमें कोई भी राजनीतिक सेट बैक पार्टी को अपनेसहयोगियों के सामने ही बैकफुट पर धकेलेगा, जैसाकिहरियाणा चुनाव के नतीजों के बाद दिखाई दे रहा है।

लोकसभा चुनाव में 99 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी दल का दर्जा हासिल करने के बाद एक दशक से आफ ट्रैक हुई कांग्रेस की सियासत बड़ी मुश्किल से ट्रैक पर आयी है। मगर हरियाणा के परिणामों ने इस ट्रैक को गहरे तक हिला दिया है और पार्टी की भविष्य की सत्ता सियासत अब हर चुनाव के साथ संभावनाओं या आशंकाओं को जन्म देगी। झारखंड और हरियाणा का चुनाव इसकी तत्काल मिसाल बनेगा, जहां कांग्रेस गठबंधन में चुनाव में जा रही है। पार्टी की चुनौतियों का थमा ग्राफ फिर से बढ़ने लगा है इसका उदाहरण महारराष्ट्र तथा झारखंड दोनों से मिलने लगा है। इसमें संदेह नहीं कि हरियाणा की तरह ही महाराष्ट्र में विपक्षी महाविकास अघाड़ी गठबंधन की चुनावी संभावनाएं भाजपा, शिवसेना शिंदे और अजीत पवार की एनसीपी वाले महायुति गठबंधन की तुलना में बेहतर मानी जा रही है। लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी ने भाजपा नेतृत्व वाले महायुति को जिस तरह शिकस्त दी है उसके बाद विधानसभा में भी ऐसी ही उम्मीद की जा रही है। पर रोचक यह भी है कि हरियाणा में भी कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में दस में से पांच सीटें जीत कर ऐसी धारणा बनाई थी कि विधानसभा चुनाव की बाजी तो उसके पाकेट में है। महाराष्ट्र में पार्टी की परेशानी का सबब बढ़ने वाला है क्योंकि लोकसभा चुनाव में सबसे बड़े दल के रूप में वहां उभरने के बाद पार्टी विधानसभा की अधिक सीटों पर दावा कर रही है। साथ ही मुख्यमंत्री पद पर दावेदारी पर भी कांग्रेस की नजरें हैं। जबकि शिवसेना यूबीटी महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस के बड़े भाई की भूमिका में रहना चाहती है और उद्धव ठाकरे को अघाड़ी गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने के लिए उसकी कोशिशें जगजाहिर है। उद्धव की पार्टी चेहरा घोषित कर ही चुनाव में उतरने के लिए दबाव बना रही है। हरियाणा के नतीजों के बाद सीटों के बंटवारे को लेकर भी खिचखिच बढ़नी तय है क्योंकि शिवसेना यूबीटी पिछले विधानसभा चुनाव के प्रदर्शन के आधार पर फार्मूला तय करने के पक्ष में है।

गठबंधन की खातिर इस रस्साकशी को खत्म करने के लिए बीच का रास्ता भले निकाल लिया जाए मगर यहां बैकफुट पर कांग्रेस को ही रहना होगा क्योंकि पार्टी महाराष्ट्र जैसे दूसरे बड़े सियासी राज्य में सत्ता सियासत की दौड़ से लंबे समय तक बाहर रहने का जोखिम नहीं ले सकती। महाराष्ट्र में कांग्रेस इस राजनीतिक हकीकत की अनदेखी नहीं कर सकती कि उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद नहीं देने के भाजपा के फैसले के बाद ही शिवसेना से उसकी दशकों पुरानी दोस्ती टूटी थी। ऐसे में शिवसेना यूबीटी उद्धव के नेतृत्व करने के मुद्दे पर समझौता नहीं करेगी। वैसे बीच-बीच में भाजपा के उद्धव पर डोरे डालने की अटकलों को देखते हुए भी कांग्रेस को इस मसले पर सजग और राजनीतक जमीन पर रहना होगा।

सहयोगी दल होंगे हावी

झारखंड में भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के बाद सियासी उथल-पुथल हुई है। विशेषकर सोरेन के जमानत पर बाहर आकर दुबारा सीएम बनने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस का गठबंधन अगले चुनाव में एक बार फिर मुकाबले में है।

आदिवासी वोट बैंक पर हेमंत की पकड़ पुख्ता दिख रही है और इसके दम पर ही झामुमो इस बार कांग्रेस पर पिछली बार की तुलना में कम सीटों पर लड़ने का दबाव बना रही है। साफ है कि हरियाणा चुनाव के नतीजों के बाद महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव में कांग्रेस के सहयोगी दल उस पर हावी होने का कोई मौका नहीं छोड़ेंगे।

क्या दिल्ली में खेल कर पाएगी बीजेपी

सियासत

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

बीते दिनों जम्मू-कश्मीर व हरियाणा में चुनाव हुए जहां बीजेपी की स्थिति पहले की अपेक्षा ज्यादा मजबूत रही। जम्मू-कश्मीर में वोट प्रतिशत की बात करें तो 25.64 प्रतिशत वोट के आधार पर सबसे बडी पार्टी बनकर उभरी और पहले की अपेक्षा सीटें भी अधिक मिली। 2014 में 25 तो इस बार 29 सीटों पर जीत हासिल की। यदि हरियाणा की बात करें तो देश की बड़ी-बड़ी सर्वे करने वाली एजेंसियों व न्यूज चैनलों के सर्वे में कांग्रेस की सरकार बना दी थी लेकिन जब रिजल्ट आया तो हर कोई आश्चर्यचकित रह गया। इस मामले को लेकर कांग्रेस ही नहीं बीजेपी भी यकीन नहीं कर पा रही थी कि हम वापसी कर रहे हैं।

सीटें कम, वोट प्रतिशत बढ़ा

हरियाणा में भी पहले की अपेक्षा सीटें भी ज्यादा आई हैं। अब जैसा कि आने वाली फरवरी में दिल्ली में चुनाव है, तो क्या बीजेपी यहां भी कोई चमत्कार कर पाएगी, चूंकि पार्टी बीते विधानसभा में लंबे समय से सत्ता पाने में विफल रही है। जैसा कि दिल्ली में पहला विधानसभा चुनाव 1952 में हुआ था। पिछले 63 वर्षों में चार बार महानगर परिषद और सात बार विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। 1967 से 1992 तक दिल्ली में विधानसभा भंग थी और यहां महानगर परिषद के लिए चुनावी रण हुआ करता था। दिल्ली में विधानसभा चुनाव में भाजपा को केवल एक बार जीत मिली। इसके बाद कांग्रेस का राज रहा और 2013 में आम आदमी पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और जब से वह सत्ता में काबिज है। लेकिन इस बार कई तरह की केलकुलेशन सामने आ रही हैं। चूंकि पिछले कुछ चुनावों में कांग्रेस की सीटें तो ज्यादा कहीं नहीं आई लेकिन वोट प्रतिशत जरूर बढ़ा है, हालांकि दिल्ली के परिवेश में स्थिति अभी भी बहुत ज्यादा मजबूत नहीं दिख रही लेकिन बीजेपी को लेकर दिल्ली वालों का एक अलग तरह का ही प्रेम है। यह बात इसलिए कही जा रही है चूंकि बीते 15 वर्षों तक नगर निगम में कमान दे रखी थी और इस बार भी मामला लगभग आधे-आधे पर रहा और लोकसभा में दिल्ली की जनता एक तरफा प्यार और आर्शीवाद देती है। बहरहाल, अब हाल के ही समीकरणों पर चर्चा करें तो बीते दिनों केजरीवाल इस्तीफा दे चुके हैं जिसको लेकर उनका कहना कि उन्होंने नैतिकता के आधार कमान छोड़ कर आतिशी को दे दी लेकिन सच्चाई यह थी कि जिस शर्त पर उनको कोर्ट से जमानत मिली थी, उसमें वह बतौर मुख्यमंत्री अपनी शक्तिय़ों का प्रयोग नहीं कर सकते थे।

'आप' की साख पर बड़ा डेंट

जैसा कि दिल्ली सरकार के केजरीवाल समेत सभी बड़े नेता शराब घोटाले के आरोपी हैं और अब आम आदमी पार्टी की साख पर बड़ा डेंट भी लगा हुआ है। इसके अलावा बीते लोकसभा चुनाव में एक बार फिर कांग्रेस से गठबंधन करके अपनी गुणवत्ता पर सवाल खड़ा करवा लिया। हालांकि एक बार पहले भी कांग्रेस से गठबंधन करके सरकार बनाई थी लेकिन जोड़ी ज्यादा दिन चली नहीं थी। सवाल कई सारे हैं लेकिन दिशा को

तो एक तरफ जाना होगा क्योंकि दशा तभी तय होगी। जैसा कि इस समय कमान आतिशी के हाथ में है लेकिन संचालन प्रक्रिया केजरीवाल के पास ही है। अब मामला यह है कि केजरीवाल ने आतिशी को कमान जिस स्थिति में दी, उससे पार्टी के अंदर ही नेगेटिव तरह का माहौल बन गया। नेगेटिव इसलिए कहा जा रहा है चूंकि पार्टी में उनसे पुराने व बड़े कद के नेता भी हैं जिनको मुख्यमंत्री बनाया जा सकता था, जैसे कि संजय सिंह, गोपाल राय, सोमनाथ भारती व इसके अलावा भी तमाम ऐसे कई नाम हैं लेकिन उनके नाम पर मुहर नहीं लगी। दरअसल, पार्टी के जो नेता केजरीवाल के साथ के हैं या यूं कहें कि जो आंदोलन के समय से लेकर अब तक साथ हैं व उनकी वरिष्ठता आतिशी से कहीं बड़ी थी। बहुत सारे ऐसे नेता भी हैं जो आतिशी से ज्यादा प्रभावशाली भी हैं। इस वजह से उनके खेमे के कई कार्यकर्ताओं का पार्टी से मोहभंग हो गया और बाकी शीर्ष नेता के खेमे के लोग इस बात से नाराज भी दिख रहे हैं।

आतिशी को बॉस क्यों मानें?

एक सवाल यह भी है कि आखिर बड़े नेता आतिशी को अपना बॉस क्यों मानें? क्या मात्र केजरीवाल के कहने से वह यह बात समझ पा रहे हैं। हालांकि जब आतिशी को मुख्यमंत्री बना ही दिया तो अब किसी के सामने कोई विकल्प है भी नहीं लेकिन अब डर ये ही बना रहेगा कि कहीं कपार्टी के कुछ सीनियर नेता नाराज न हो जाएं जिससे पार्टी में किसी भी प्रकार की आंतरिक कलह हो या चुनाव आते-आते कुछ नेता किसी दूसरी पार्टी में जाकर अपना पाला न बदल लें।

हर पैंतरा अपनाएगी बीजेपी

भाजपा को लग रहा है कि अगर दिल्ली विधानसभा के पिछले चुनावों पर नजर डाली जाए तो कई सीटें ऐसी हैं, जिन पर पार्टी काफी कम मतों से हारी है। पटपड़गंज, बिजवासन और आदर्श नगर विश्वनसभा सीटें इसके अच्दे उदाहरण हैं। अगर इस बार उन विशेष सीटों पर बेहतर रणनीति के तहत चुनाव लड़ा गया, तो इस बार कामयाबी हासिल की जा सकती है। इन सभी मुद्दों को बीजेपी जमकर भुनाएगी क्योंकि वह किसी भी मामले को हलके में नहीं लेती और बीजेपी का सोशल मीडिया बेहद मजबूत है। इसके अलावा वह दिल्ली में सत्ता के लिए हर वो पैंतरा अपनाएगी जिससे उसको कमान संभालने का मौका मिले। जैसा कि हरियाणा में कई वर्ग बीजेपी से नाराज थे लेकिन जब चुनावों के परिणाम आए और कहां-कहां किसको कितने वोट मिले हैं उस आधार पर पता चला कि वोटर का मिजाज बीजेपी के लिए सकारात्मक रहा। इसलिए शायद अब बेचैनी की बात आम आदमी पार्टी के लिए ज्यादा रहेगी। बीते कुछ चुनावों के साथ उम्मीद से परे सकारात्मक रिजल्ट आ रहे हैं।

दिल्ली की राह आसान नहीं

मध्य प्रदेश, राजस्थान व वह राज्य जहां बीजेपी का इतिहास व भूगोल बिल्कुल नहीं था, उसे कई जगह पर रोमांचक जीत हासिल हुई और इससे पार्टी के अंदर एक सकारात्मक ऊर्जा बनी हुई है। लेकिन विशेषज्ञों के एक वर्ग का मानना यह भी है कि दिल्ली में बीजेपी की राह उतनी आसान नहीं मानी जा सकती, चूंकि आम आदमी पार्टी ने इतनी सीटें जीत रखी हैं कि बुरे से बुरे तौर पर भी कितनी सीट कम हो लेकिन सत्ता में प्रवेश करने लायक सीटें कई ईर्द-गिर्द कहानी बन सकती है।

हां, यदि यदि इस खेल में कांग्रेस अपना किरदार थोड़ा सा भी धमाकेदार कर गई तो फिर आम आदमी पार्टी का खेल खतरे में पड़ सकता है। कुल मिलाकर कह सकते हैं कि राजधानी में अबकी बार आप और भाजपा में ही मुख्य मुकाबला रहेगा। देखना यह है कि ऊर्जा से भरपूर बीजेपी दिल्ली में अपनी बिसात कैसे बिछाएगी।

आज की तनावपूर्ण और भागम-भाग वाली जीवनशैली में हम सबका मूड अक्सर खराब होता रहता है। इससे हमारी पर्सनल ही नहीं प्रोफेशनल लाइफ पर भी असर पड़ता है। ऐसे में परेशान होने के बजाय अगर हम कुछ एक्टिविटीज को फॉलो करें तो हमारा ऑफ मूड मिनटों में चीयरफुल हो सकता है। कैसे, बता रहे हैं आपको।

जब हो मूड खराब ऐसे बनाएं चीयरफुल

कवर स्टोरी / विवेक कुमार

हम में से कोई भी डेली लाइफ में आने वाली परेशानियों को रोक नहीं सकता है। लेकिन परेशानियों से उपजने वाले तनाव को दूर किया जा सकता है। इसका सबसे आसान तरीका है कि जब हम परेशानियों से घिरे हों, तब कुछ ऐसा किया जाए कि देखते ही देखते हमारा मूड बदल जाए। ऐसा कभी-कभी तो संयोग से होता है, लेकिन संयोग से होने वाली किसी चीज से हम निश्चित फायदा नहीं ले सकते। क्योंकि संयोग कभी सुनिश्चित नहीं होता। लेकिन कई ऐसे तरीके हैं, जिससे हम चाहें तो अपनी मर्जी से अपना मूड बदल सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य के विशेषज्ञ इन्हें माइंडफुलनेस एक्टिविटीज कहते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि हम थोड़े अभ्यास के जरिए ना सिर्फ इनमें पारंगत हो सकते हैं बल्कि इनका फायदा भी उठा सकते हैं। तो आइए जानें कि मूड बदलने के ऐसे कौन-कौन से मजबूत उपाय हो सकते हैं, जिनसे हम तनाव के समय, गहरे अवसाद के समय या समझ में ना आ रही बेचैनी से छुटकारा पा सकते हैं।

खाएं मनपसंद खाना

जी हां, आपने सही पढ़ा। ऐसा खाना जिसका नाम सुनकर आपके जीभ में पानी आ जाए। तनाव या बेचैनी के समय ऐसा खाना एक झटके में हमारे मूड को बदल देता है। मनपसंद या स्वादिष्ट खाने के संबंध में एक बड़ा आश्चर्यजनक और फायदेमंद तथ्य यह है कि दुनिया में करीब-करीब हर शख्स किसी ना किसी एक व्यंजन का दीवाना होता है। बहरहाल, अगर आप बेचैन हैं, कोई बात समझ में नहीं आ रही, उद्विग्न हैं, कहीं मन नहीं लग रहा, कोई चीज अच्छी नहीं लग रही, तो अपने सबसे पसंदीदा खाने को ऑर्डर करिए और आनंद से इसे खाइए। खाने को ऑर्डर करने की बात दिमाग में आते ही 10 फीसदी आपका तनाव कम हो जाएगा। ऑर्डर कर देने के बाद 25 फीसदी तनाव कम हो जाएगा और जब आपका पसंदीदा स्वादिष्ट खाना आप तक पहुंच जाएगा तो पहला निवाला लेने के पहले ही आप 50 फीसदी तनाव से निकल चुके होंगे। आगे आप समझदार हैं। अपने पसंदीदा खाने की पहली बाइट लेते ही आप तनाव बिल्कुल भूलने लगेंगे और जब भरपेट खाकर संतुष्टि की सांस लेंगे तब तक तनाव कहीं विलीन हो चुका होगा।

नहाना भी है कारगर

मूड खराब है और कुछ समझ में नहीं आ रहा है तो हल्के ठंडे-ठंडे पानी में आराम से थोड़ी देर तक नहाइए। टब के शीतल पानी में पांच से सात मिनट तक पड़े रहिए। सर्दियां हैं तो गुनगुने पानी का शावर लीजिए और अगर सामान्य मौसम है तो सामान्य पानी से नहाइए। आप महसूस करेंगे कि नहाते ही आपके दिल और दिमाग से तनाव का बोझ कम हो जाएगा। शरीर में हल्कापन महसूस होगा। तनाव या बेचैनी के समय नहाना सदियों से इन समस्याओं से पार पाने का उपाय माना जाता रहा है। प्राचीनकाल में जब किसी को बहुत गुस्सा आ जाता था और उसे अपने उस गुस्से से निकलने की कोई तरीका नहीं सूझता था, तो लोग नदी या तालाब में कूद जाते थे और थोड़ी देर जमकर नहाते थे, इससे उनको बेहद सुकून मिलता था। आप भी ऐसा कुछ कर सकते हैं।

पहेलियां सुलझाइए

आपको शायद मजाक लग रहा होगा लेकिन यह सच है कि वाकई पहेलियां सुलझाना हमें तनावमुक्त करने की बहुत जांची-परखी और ठोस गतिविधि है। जब हम तनावग्रस्त हों, सिर फटा जा रहा हो, कुछ सूझ ना रहा हो, उस समय अगर हम इतने स्वस्थ हैं कि किसी के साथ बैठकर पहेलियां पूछ या बता सकते हैं या खुद ही अकेले बैठकर पहेलियों में उलझ सकते हैं, तो कहना ना होगा कि आपकी यह तरकीब आपको हर हाल में तनावमुक्त कर देगी। दरअसल, पहेलियां बूझने या हल करने दोनो ही तरीके, हमारे लिए बहुत कारगर हो सकते हैं। पहेलियां हमारे दिमाग को एक्टिव करती हैं। जिग्सा पजल, क्रॉस वर्ड, सुडोकू, दो तस्वीरों में अंतर पहचानना, ये ऐसी पहेलियां हैं, जो हम सबको पसंद आती हैं। इनको सुलझाने में जब दिमाग बिजी होता है तो अपने भीतर के तनाव को भूल जाता है।

खेलिए मनपसंद खेल

मैदान में और टीम के साथ खेले जाने वाले खेलों के इतर भी कई खेल ऐसे होते हैं या कहें कि खेल जैसी गतिविधियां, जिन्हें हम पसंद करते हैं। जैसे मोबाइल में अपना कोई मनपसंद खेल खेलना। ताश के पत्ते भी किसी के साथ खेले जा सकते हैं। ऑनलाइन आजकल इतने गेम हैं और अगर आपकी रूचि किसी खेल विशेष में है तो तनाव के समय जब कुछ समझ में ना आ रहा हो तो इससे कैसे निपटें तो अपने पसंदीदा खेल में डूब जाइए। अगर आपकी रुचियों में कोई खेल शामिल नहीं है तो कोई ना कोई तो गतिविधि ऐसी होगी, जिसे आप जी जान से चाहते होंगे मसलन, आपको मनपसंद फिल्मी गीत सुनने का शौक होगा, मनपसंद कहानियां पढ़ने का शौक होगा। किसी से बात करने का। लब्बोलुआब यह है कि जो भी गतिविधि आपको दिल से अच्छी लगती हो, उसे करिए, आपका तनाव काफी हद तक खत्म हो जाएगा।

देखिए आंखें भरकर

हालांकि इस गतिविधि में सतर्क रहने की जरूरत होती है क्योंकि किसी को आंखें भरकर देखना कई बार गुस्सा या नाराजगी का कारण बन जाता है। इसलिए जब तनावग्रस्त हों तो किसी खूबसूरत पेड़, किसी खूबसूरत पेंटिंग, किसी नदी, खूबसूरत झरना या किसी खूबसूरत व्यक्ति को भी खूब गहरी निगाहों से यानी उसमें डूबकर देखा जा सकता है। ऐसे देखने से शरीर को बहुत तेजी से जबर्दस्त रिलैक्सेशन मिलता है। तीन से पांच मिनट के भीतर यह देखना सिर्फ देखना नहीं रह जाता। दिलों की धड़कन भी बन जाता है। ऐसा करने से हमारा दिमाग उसमें इतना खो जाता है कि तनाव के लिए कोई जगह ही नहीं बचती है।

इस तरह यहां बताए गए ये कुछ उपाय हैं, जो हमारे तनाव को दूर भगाते हैं और हमारे बिगड़े मूड को चीयरफुल बनाते हैं। *

हमारी मुट्ठी में होंगे हैप्पी हार्मोन

हम सब मानते हैं कि खुश रहना, हमारे आस-पास की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। कुछ हद तक यह सही है लेकिन अगर हम अपने हैप्पी हार्मोन को एक्टिवेट करना सीख जाएं तो हर कंडीशन में खुश रह सकते हैं। कैसे, बता रहे हैं आपको।

लाइफस्टाइल / शिखर चंद जैन

विज्ञान कहता है कि हमारे दिल और दिमाग को खुशी पहुंचाने में चार हारमोंस की विशेष भूमिका होती है। ये हार्मोन एक प्रकार के केमिकल होते हैं, जिनका उत्पादन हमारे शरीर में होता है। ये हैं- डोपामाइन, सेरोटोनिन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन। यही वे हार्मोन हैं, जिनका सही लेवल हमें प्यार, आनंद और खुशी का एहसास दे सकता है और इनका कम लेवल हमारा मूड ऑफ करके हमें चिड़चिड़ा, गुस्सैल और उदास बना सकता है। हम थोड़ी सी सूझबूझ और सिंपल ट्रिक्स अपना कर अपने भीतर इनका सही लेवल मेंटेन कर सकते हैं।

फील गुड कराए डोपामाइन

इसे हम शाबासी देने वाला हार्मोन कहें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। जब हम कुछ अचीव करते हैं या कुछ अच्छा अनुभव प्राप्त करते हैं तो यह हमारे शरीर में स्रावित होने लगता है। जैसे हम अपनी फेवरेट डिश खाकर आनंद प्राप्त करते हैं या कोई टास्क पूरा करते हैं तो यह हमें संतुष्टि का एहसास देता है। इसका उत्पादन ट्रिगर करने के लिए, हमें दिन में कई ऐसे छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, जो किसी बड़े लक्ष्य का हिस्सा हों। जैसे-जैसे आप इन्हें हासिल करते जाएंगे, आपको डोपामाइन का कोटा मिलता जाएगा। हां, हमें आदत डालनी चाहिए छोटी-छोटी उपलब्धियों को सेलिब्रेट करने की। साथ ही आपको ऐसी एक्टिविटीज में इंवॉल्व होना चाहिए, जो आपको दिल से पसंद हों। जैसे किताबें पढ़ना, बागवानी करना या म्यूजिक सुनना।

डिप्रेशन से बचाए सेरोटोनिन

यह एक प्रकार का अवसादरोधी और मूड को नियंत्रित करने वाला हार्मोन है। यह हमारे मन में खुशहाली और 'एवरीथिंग इस ओके' यानी सब ठीक-ठाक है के भाव जगाता है। जब हमारे शरीर में इसकी समुचित मात्रा होती है तो हम खुश, शांत और अपने कामों के प्रति ध्यान लगाने में सक्षम होते हैं। वहीं इसकी कमी हमें चिंतित, अस्थिर और बेचैन कर देती है। शरीर में इसका सही स्तर बनाए रखने के लिए हमें रोज कम से कम 10-15 मिनट धूप में कुदरती माहौल में रहना चाहिए, नियमित एक्सरसाइज भी करनी चाहिए। साथ ही हमें जो कुछ ईश्वर ने दिया है, उसके लिए आभार व्यक्त करना चाहिए। ऐसा करने पर हम प्रसन्न महसूस करेंगे।

प्यार का एहसास कराए ऑक्सीटोसिन

यह हार्मोन हमारे मन में ऐसे भाव जागृत करता है मानो कोई हमें प्यार से सहला रहा हो, पुचकार रहा हो

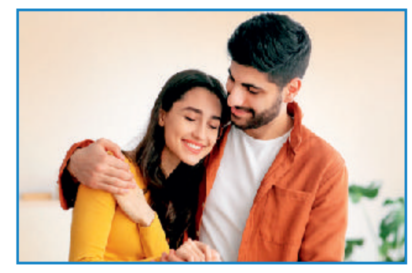

और हमारी पीठ थपथपा रहा हो। इसके सही लेवल से हमारे मन में प्यार, जुड़ाव, विश्वसनीयता और अपनेपन का भाव आता है। जब हमें कोई स्पर्श करता है या हमारा सामाजिक या पारिवारिक सम्मान करता है तो हमारे शरीर में इसका स्राव होता है। इसके उत्पादन के लिए हमें किसी से हाथ मिलाना चाहिए, उसकी पीठ पर हाथ रखना चाहिए या उसे गले से लगाना चाहिए। किसी प्रिय मित्र, आत्मीय स्वजन या जिससे हमें प्यार हो उसके साथ बातें करने और समय बिताने से इसका स्राव होता है। ठीक इसी प्रकार जब हम किसी को गिफ्ट देते हैं या गिफ्ट प्राप्त करते हैं तो इसका लेवल बढ़ता है।

दर्द करे दूर एंडोर्फिन

यह हार्मोन प्राकृतिक दर्द निवारक का काम करता है। जब भी हम तनाव और उदासी में होते हैं और असहज महसूस करते हैं तब इसका स्राव, किसी दर्द निवारक के रूप में काम करता है। इसका उच्च स्तर प्राप्त करने के लिए हमें ठहाके मारकर हंसना चाहिए। इसके लिए हम कोई कॉमेडी मूवी या प्रोग्राम देख सकते हैं या फिर दोस्तों के साथ हंसी-मजाक कर सकते हैं। एक्सरसाइज और वर्कआउट से भी इसका उत्पादन और स्राव होता है। साथ ही शरीर में इसके हाई लेवल के लिए मसालेदार और चटपटा भोजन करना भी फायदेमंद हो सकता है। *

गजल / अवतार सिंह अक्षरजीवी

अच्छी शायरी हो जाएगी

अंदाजा नहीं था कि आंख बहरी हो जाएगी
खामोशी का शोर सुनकर रात गहरी हो जाएगी
सिर्फ खुद के बारे में सोचने का हुनर आ जाए
फिर कोई कहीं भी रहे जिंदगी शहरी हो जाएगी
तुम्हारे नुकसान की खबर छुपा कर रखना वरना
बैठे बिठाए दुनिया के लिए खुशखबरी हो जाएगी
तुम लोगों को सुधारने का दावा करो इससे पहले
बताओ तुम्हारी फितरत में कब बेहतरी हो जाएगी
तुम्हारे पैरों के नीचे से थोड़ी जमीन हटानी है मुझे
उसके बाद हम दोनों के कद में बराबरी हो जाएगी
मुझे कलम की नहीं कुछ मोहब्बत की जरूरत है
मैं दिल से लिखने लगा तो अच्छी शायरी हो जाएगी

लघुकथाएं

उसका चेहरा नहीं देख सकती

दुलारी जब भी अपनी पड़ोसन सत्तू के घर के पास से गुजरती जोर-जोर से उसको आवाज देती, 'अरे सत्तू जिंदा है या मर गई?'

सत्तू हंसते हुए घर से निकलकर दुलारी से कहती, 'अभी जिंदा हूं। आ ना.. दुलारी चाय पीकर जाना।'

फिर दोनों साथ चाय पीते और अपने घर-परिवार की बातों में घंटों गुजार देते। कई वर्षों से उन दोनों में इसी प्रकार का स्नेहमयी रिश्ता पल रहा था।

एक दिन सुबह का समय था। दुलारी नहा-धोकर पूजा कर रही थी। तभी दुलारी की बहू तेजी से पूजा वाले कमरे में आई और भरे गले से कुछ झिझकते हुए दुलारी से बोली, 'अम्मा, एक बात कहनी है।' दुलारी ने बहू की तरफ देखते हुए पूछा, 'क्या बात है बहू.. क्यों घबराई हुई लग रही है?'

'अम्मा, आपकी सहेली सत्तू शांत हो गई हैं।' बहू ने बताया।

यह सुनकर दुलारी जोर से चिल्ला पड़ी, 'यह क्या कह रही है बहू..' और उसकी आंखें झर-झर बह पड़ीं। बहू ने दुलारी को गले से लगा लिया। कुछ देर दोनों रोते रहे फिर बहू ने आंसू पोंछते हुए दुलारी से कहा, 'अम्मा चलो हमें उनकी अंतिम यात्रा में जाना है।'

दुलारी ने भरे गले से कहा, 'नहीं बहू, मैं नहीं जाऊंगी। मैंने हमेशा सत्तू को हंसते-खिलखिलाते देखा है, अब उसका शांत-निर्जीव चेहरा नहीं देख सकती।' यह सुनकर बहू सन्न रह गई। *

-पुरुषोत्तम व्यास

जरूरत

आप भी गजब करते हैं! यह रद्दी किताबें आपने उधर गेट पर रख दीं!' मोहन जी को पत्नी ने टोका।

'ये किताबें मैंने किसी कारण से वहां रखी हैं रमा।' मोहन जी बड़े संयमित स्वर में बोले। रमा कुछ नाराजगी से बोलीं, 'अरे, अभी-अभी कबाड़ी वाला आवाज लगाकर गया है। उसे जानबूझ कर आपने किताबें नहीं दीं। अच्छे दाम मिल जाते।' 'उधर देखो तो सही रमा...।' मोहन जी ने बाहर गेट की ओर इशारा किया। गेट के बाहर की तरफ सड़क पर झाड़ू लगाने वाली सुशीला के साथ कुछ बच्चे आकर बैठ गए थे। वे रंग-बिरंगी किताबें देखकर खुश दिख रहे थे। बच्चे गेट पर आराम से बैठ गए। सभी बच्चे मिल-जुलकर मजे से उन किताबों को पढ़ने की कोशिश करने लगे।

'तुमने देखा रमा, हमारे नाती-पोते की कक्षा दो-तीन की रखी रंग-बिरंगी किताबें इन बच्चों के लिए अनमोल खजाना हैं।' मोहन जी ने कहा तो रमा को भी उनकी बात बहुत पसंद आई। *

-मुग्धा

हक

आज भी सुबह की रौनक रोज की जैसी ही थी। सड़क पर झाड़ू से कचरा बुहारने की आवाज आ रही थी। साथ ही उसी सड़क पर हंसते हुए कुछ बच्चे बस्ता लेकर अपने स्कूल जा रहे थे। बच्चे किसी बात पर हंसकर ताली बजाकर खिलखिला रहे थे। उनको देखकर एक सफाईकर्मी युवक को भी खुशी का संक्रमण हो गया। वह भी ताली बजाकर हंसने लगा। तभी वहां खड़े एक उम्रदराज व्यक्ति ने अपनी भंवें चढ़ाकर सफाईकर्मी को संकेत में डपटा, 'तेरी इतनी हिम्मत, चल सफाई कर।'

उम्रदराज व्यक्ति के गुस्से को समझते हुए सफाईकर्मी युवक एकदम से सकपका गया। एक बच्चे ने यह बात ताड़ ली। वह उस युवक के करीब गया, जोर से ताली बजाकर प्यार से बोला, 'आप भी ताली बजाओ.. आप भी हंसो...! हमारी टीचर कहती हैं, हंसना-खिलखिलाना तो सबका अधिकार है।'

यह सुनकर युवक की जो हंसी फूटी कि वह उम्रदराज व्यक्ति देखता ही रह गया। *

-पूनम पांडे

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कुछ जरूरी सवाल

प्रबुद्ध शिक्षाविद, सामाजिक और राजनीतिक चिंतक राजीव भार्गव की किताब 'बिटवीन होप एंड डिस्पेयर' का हिंदी अनुवाद हाल में ही 'राष्ट्र और नैतिकता' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। इस पुस्तक में लेखक के सौ समसामयिक निबंधों को संकलित किया गया है। हालांकि ये सभी लेख बीते कुछ वर्षों में दैनिक अखबार में प्रकाशित हो चुके हैं, लेकिन इनमें लेखक जिन सवालों को उठाते हैं, उनकी प्रासंगिकता बनी हुई है और आने वाले समय में भी बनी रहेगी, इसमें संदेह नहीं। वास्तव में ये लेख किसी एक देश या समाज से ही संबंधित नहीं हैं बल्कि संपूर्ण मनुष्यता से जुड़े हुए हैं। इनमें उठाए गए सवाल किसी वर्ग विशेष, राजनीतिज्ञों या

शासकों को कठघरे में खड़ा नहीं करते, अपितु हर उस व्यक्ति को उद्वेलित करते हैं, जो बेहतर समाज और दुनिया के लिए नैतिकता को सबसे जरूरी मानता है। यहां सामाजिक विद्वेष, धार्मिक उन्माद, राजनीतिक क्षरण, वैश्विक वर्चस्व की जंग, शासकों की अमानवीयता जैसे अनेक विषयों को बहुत संवेदनशीलता के साथ ना केवल उठाया गया है, उनके अनेक आयामों पर गहनता से विचार भी किया गया है। मानव समाज के समक्ष उपस्थित इन गंभीर सवालों को लेकर लेखक अपनी सबसे बड़ी चिंता कुछ इस तरह प्रकट करते हैं, 'इसके बावजूद मनुष्य की प्रजाति सीखने को तैयार नहीं है। संगठित हिंसा जैसी चीजें हमारे बिल्कुल सामने हैं लेकिन आज के ताकतवर शासक उनकी उपेक्षा किए चले जाते हैं।' *

पुस्तकः राष्ट्र और नैतिकता, **लेखकः** राजीव भार्गव, **अनुवादः** अभिषेक श्रीवास्तव, **मूल्यः** 499 रुपए, **प्रकाशकः** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

गांव-कस्बे में नशे के खिलाफ चलेगा एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि गांव-कस्बे में आम नागरिकों को नशे से रोकने जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। नशे के खिलाफ एक युद्ध नशे के विरूद्ध अभियान भी चलाया जाएगा। स्कूल, कॉलेज एवं अन्य स्थानों जिला प्रशासन की टीम नशे के विरूद्ध जागरूक करेगी। साथ ही शपथ भी दिलाए जाएंगे। कलेक्टर ने कहा कि स्कूली-छात्राओं के जाति और मूल निवास प्रमाण पत्र बनाने का कार्य गंभीरता से की जाएं। इस कार्य में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक स्कूलों में बच्चों के महत्वपूर्ण सर्टिफिकेट तत्काल बनाए जाएं। जिससे बच्चों के परिजनों को भी तत्काल राहत मिले। इसके अलावा आरबीसी 6-4 के प्रकरणों में जल्द से जल्द प्रक्रिया पूर्ण कर सहायता राशि दिलाई जाएं।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने जिले के सभी निकायों को राशन कार्डधारियों को ई-केवाईसी शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए है। इस कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जल संरक्षण एवं संवर्द्धन के कार्य को बेहतर तरीके से किया जाएं। साथ ही जिन स्थानों में जल संरक्षण के कार्य किए गए है, उन स्थानों की जियो टैगिंग की जाएं। इस कार्य को तेजी से किया जाएं। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरण लंबित नहीं होने चाहिए। पुराने प्रकरणों का रिव्यू किया जाए और तत्काल उन प्रकरणों का निराकरण किया जाएं। कलेक्टर ने कहा कि दिव्यांगों का सर्वे किया जाए और उसकी सूची बनाए जाएं। सभी दिव्यांगों की आईडी बनाई जाए और शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाएं। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, एडीएम, एसडीएम समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की पहल पर केंद्र ने सड़कों के विकास के लिए स्वीकृत किए 892 करोड़

6 जिलों में 324 किमी सड़क का होगा विकास, केंद्रीय सड़क परिवहन-राजमार्ग मंत्रालय ने जारी किया आदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में आठ सड़क खंडों के विकास के लिए 892 करोड़ 36 लाख रुपए मंजूर किए हैं। इस राशि से राज्य के छह जिलों में करीब 324 किलोमीटर सड़कों के विकास और उन्नयन के कार्य किए जाएंगे।

भारत सरकार ने आज राशि स्वीकृति का आदेश राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग के सचिव को भेजा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य में सड़कों के विकास के लिए इतनी बड़ी राशि देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को धन्यवाद दिया है। मुख्यमंत्री साय ने सीआरआईएफ से मंजूर की गई इस राशि के लिए भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में सड़कों के निर्माण में केंद्र सरकार का लगातार सहयोग मिल रहा है। इस राशि से बेमेतरा, मुंगेली, राजनांदगांव, जशपुर, बिलासपुर और खैरागढ़ जिले में आठ सड़क खंडों का चौड़ीकरण, मजबूतीकरण और उन्नयन होगा। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश के छह जिलों में कुल 323.9 किलोमीटर सड़क खंडों के विकास के लिए इस साल 9 सितम्बर को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा गया था। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने विगत 30 सितम्बर को मुख्यमंत्री साय और उप मुख्यमंत्री साव के साथ नई दिल्ली में हुई बैठक में इस प्रस्ताव पर सैद्धांतिक सहमति दी थी। भारत सरकार द्वारा आज इसके लिए 892 करोड़ 36 लाख रुपए की स्वीकृति का आदेश जारी कर दिया गया है। भारत सरकार द्वारा मंजूर की गई 892 करोड़ 36 लाख रुपए की राशि से बेमेतरा और मुंगेली जिले में नांदघाट-मुंगेली सड़क खंड में 39 किलोमीटर लंबाई और बेमेतरा-नवागढ़-मुंगेली सड़क खंड में 43 किलोमीटर लंबाई का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जाएगा। राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव-चौकी-मोहला मानपुर सड़क खंड में 96.2 किलोमीटर, जशपुर जिले के बागबहार-कोतबा सड़क खंड में 13.5 किलोमीटर, लुड़ेंग-तपकरा-लावाकेरा सड़क खंड में 41 किलोमीटर और जशपुर-आस्टा-कुसमी सड़क खंड में 28 किलोमीटर लंबाई के मजबूतीकरण का कार्य भी इनमें शामिल हैं। बिलासपुर जिले के सिरगिट्टी-सरवानी-पसीद-अमलडिहा-बरतोरी-दगोरी सड़क खंड के 32.8 किलोमीटर तथा राजनांदगांव और खैरागढ़ जिले के राजनांदगांव-कवर्धा-पोंडी सड़क खंड के 30.4 किलोमीटर का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का कार्य भी इस राशि से किया जाएगा।

राजधानी में मेगा जॉब फेयर 15 से, 7 हजार से ज्यादा पदों पर होगी भर्ती...

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में शिक्षित बेरोजगारों के लिए मेगा जॉब फेयर का आयोजन जा रहा है। 15 अक्टूबर को ऑफलाइन पंजीयन किया जाएगा। मेगा जॉब फेयर में सात हजार से अधिक पदों पर भर्तियां की जाएगी। छत्तीसगढ़ कॉलेज में 15 अक्टूबर की सुबह 11 बजे से पंजीयन प्रारंभ किया जाएगा और 2 बजे तक युवाओं के पंजीयन किए जाएंगे। पंजीकृत बेरोजगारों के 17 अक्टूबर से विभिन्न स्थानों पर साक्षात्कार किए जाएंगे। यह मेगा जॉब फेयर का आयोजन 25 अक्टूबर तक किया जाएगा। आवेदकों को पंजीयन के पूर्व बायोडाटा, आधार कार्ड, मार्कशीट, फोटो, पेनकार्ड एवं प्रमाण-पत्र की फोटोकॉपी के साथ उपस्थित होंगे। इसके अलावा क्यूआर कोड के माध्यम से भी पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सबसे अधिक सिक्योरिटी गार्ड के 2500 पदों पर भर्तियां की जाएगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि जिले में अधिक से अधिक लोगों को मेगा जॉब फेयर के लिए अधिक से अधिक युवाओं का पंजीयन किया जाए और लाभ दिया जाए।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में उपलब्ध कराएंगे रोजगार

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। नर्सिंग स्टाफ, नर्सिंग सुपरीटेंडेट, पैरा मेडिकल, विभिन्न टेक्निशियन, ड्रेसर एवं अन्य पदों के लिए रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे।

बैंकिंग, फाइनेंस एवं मार्केटिंग

अकाउंटेंट, सहायक शाखा प्रबंधक, एटीएम ऑपरेटर, ब्लॉक समन्वयक, बिजनेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव, सीएसए, कासा, कैश प्रोसिसिंग ऑफिसर, सिटी कॅरियर, एडवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ग्राहक सेवा एसोसिएट, ट्रेनिंग एसोसिएशन, ग्राहक सहायता, डिलिवरी बॉय, जिला समन्वयक, ड्राइवर, महिला कॅरियर सलाहकार, सहायक, फील्ड बिक्री कार्यकारी, वित्तीय सलाहकार, एजेंट।

सांसद बृजमोहन ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण

3 करोड़ से ज्यादा के कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। शिक्षा और स्वास्थ्य किसी भी समाज की प्रगति का मूल आधार हैं। इनके सुधार और सुदृढ़ीकरण से ही एक समृद्ध और सशक्त समाज का निर्माण हो सकता है। यह बात रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को राजधानी के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन के दौरान कही। सांसद अग्रवाल ने महंत लक्ष्मी नारायण दास वार्ड स्थित माई की बगिया में 10 लाख रुपए से पाथवे, बगीचा एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का लोकार्पण साथ ही खोखो पारा स्कूल में अतिरिक्त कक्ष और 17.44 लाख रु. से पंकज गार्डन सौन्दर्यीकरण एवं विकास कार्य का लोकार्पण किया। बृजमोहन अग्रवाल ने 1.15 करोड़ की लागत से खो खो पारा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हमर अस्पताल के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण किया, जिसमे 32.28 लाख रुपए से 20 बेड का अतिरिक्त वार्ड, 45.51 लाख रुपए से हमर अस्पताल उन्नयन कार्य और 39.07 लाख रुपए से अतिरिक्त कक्ष शामिल है। इस अवसर पर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, भाजपा सरकार गरीबों की शिक्षा और स्वास्थ्य की विशेष महत्व देती है, इसीलिए खो खो पारा स्थित स्कूल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सर्व सुविधा युक्त बनाया जा रहा है, जो स्वास्थ्य सुविधा मेकाहारा चिकित्सालय में मिलता है वो सब यहां पर उपलब्ध होगा। उन्होंने अस्पताल में जल्द ही एक्स रे और ऑपरेशन की सुविधा शुरू करने के स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल में एयर कंडीशनर लगाने को भी कहा। अग्रवाल ने अस्पताल में बनाए गए रैम्प पर नाराजगी जताते हुए निगम अधिकारियों की डांट लगाई और उसे जल्द सही करने का आदेश दिया। सांसद बृजमोहन ने वामनराव लाखे वार्ड कुशालपुर अतंर्गत छ.ग. कन्नौजे धोबी समाज के 25.00 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर बृजमोहन अग्रवाल ने लक्ष्मी नारायण दास वार्ड वामनराव लाखे और भक्त माता कर्मा के अंतर्गत 137.170 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन किया।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

रायपुर । कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने सोमवार को कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों से आए नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों से जनसामान्य यहां आते हैं, उनकी समस्याओं का निराकरण करते हुए उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित करना है। जनदर्शन में आज ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के दर्जनों आवेदकों ने आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों की समस्याएं बारी-बारी सुनी। आवेदनों का अवलोकन कर नियमानुसार पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए कहा।

कालेज परिसर में क्रिकेट एकाडमी का किया गया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

शुक्लागंज, उन्नाव। क्रिकेट के क्षेत्र में नई उम्मीदों की किरण जगाने के लिए अंबिका प्रसाद क्रिकेट ऐकाडमी का शुभारम्भ रविवार को ओपीजेडी इंटर कालेज प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर पूर्व रणजी खिलाड़ी और नगर पालिका अध्यक्ष संदीप पांडेय, साथ ही पूर्व रणजी खिलाड़ी एवं राष्ट्रीय चयनकर्ता गोपाल शर्मा मौजूद रहे, जिन्होंने ऐकाडमी का उद्घाटन किया। इस आयोजन में शामिल मुख्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह ऐकाडमी नगर और जनपद के उन युवा खिलाड़ियों के लिए एक अवसर है जो क्रिकेट के प्रति अपनी रुचि और समर्पण रखते हैं। यह मंच उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करेगा। एकैडमी के चेयरमैन अजय त्रिवेदी ने बताया कि यहां बच्चों को एस्टो और ग्रास टर्फ पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा, खिलाड़ियों को आधुनिक तकनीक जैसे वॉलींग मशीन, स्पीड गन और नाइट प्रैक्टिस जैसी सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएंगी। इस शुभारम्भ कार्यक्रम में शुक्लागंज-उन्नाव क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेन्द्र शुक्ला, यूपीपीएल नोएडा टीम के मैनेजर सतीश जायसवाल, और अन्य गणमान्य लोग भी शामिल रहे।

मंदिर प्रांगण में शुभ मुहूर्त में किया गया भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

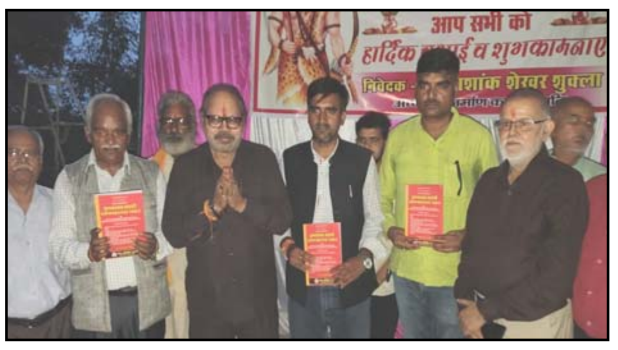

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा हाफिजाबाद में शनिवार की शाम बाबा बालखन्डेस्वर मंदिर प्रांगण में आचार्यों द्वारा शुभ मुहूर्त में समाज सेवी शंशाक शेखर शुक्ला मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष एवम् उनकी पूरी टीम द्वारा जनपद में बनाने वाला पहला मन्दिर का भूमिपूजन एवम् आचार्य प्रवीण दीक्षित, राजकुमार द्विवेद्वी के द्वारा वेद मन्त्रों से निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। वहीं सत्ता दल एवम् बिपक्ष के अनेक लोगों ने भाग लिया, क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत कटियार, राजीव बाजपेई पूर्व जलकल महाप्रबंधक लखनऊ, शंशाक शेखर शुक्ला सेवानिवृत्त वायुसेना, शैलेन्द्र कुमार शुक्ला पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष, वरिष्ट नेता अलोक त्रिपाठी, ने पूजन में भाग लिया है। साथ ही मन्दिर निर्माण समिति के पदाधिकारी संजीव शुक्ल गुड्डू पत्रकार उपाध्यक्ष, आदर्श द्विवेद्वी उपाध्यक्ष, अमित रंजन मिश्रा कोषाध्यक्ष, अतुल शुक्ला महामंत्री, रोहित कुमार पाण्डेय (सीनियर) पत्रकार महामंत्री, महेंद्र मिश्रा, अभिषेक तिवारी, श्याम दीक्षित, हार्षित दीक्षित, आदि लोगों ने कार्यक्रम की ब्यवस्था देखी। मंच का संचालन अनुभव शुक्ला हाईकोर्ट अधिवक्ता ने किया। बिधायक श्रीकांत कटियार ने जनपद में बनाने वाले पहला भगवान परशुराम मंदिर के लिए अध्यक्ष शंशाक शेखर शुक्ला और पूरी समिति का आभार व्यक्त किया तथा सहभागिता एवम् मन्दिर को पर्यटन स्थल घोषित करने का आश्वासन दिया। बार एसोसिएशन अध्यक्ष सतीश शुक्ला कार्यक्रम में उपस्थित रहे। तथा मंच से मंदिर में अपनी सहभागिता करने का आश्वासन दिया। पूरे जनपद से सैकड़ों लोग उपस्थित होकर कार्यक्रम को भब्य बनया।

कार्यक्रम में सहकारी समिति अध्यक्ष पुत्तीलाल गौतम, पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष पुष्कर शुक्ला, पूर्व प्रधान रामप्रकाश शर्मा, अन्नत कुमार पाण्डेय, बिमल शुक्ला, ज्ञानेश द्विवेद्वी, हरिओम तिवारी सभासद, बिनोद दीक्षित, सत्यम द्विवेद्वी, राहुल शुक्ला सभासद, रवि दीक्षित, नूरा तिवारी, मनोज तिवारी, कमल शुक्ला, सत्येन्द्र दीक्षित, ज्ञानेश सिंह, अंकित, जय नारायण दीक्षित, गौरव बाजपेई, केदार त्रिवेदी, विवेक शर्मा, अजीत कुमार, बब्लू यादव वंश गोपाल मिश्रा, विवेक अवस्थी, अनूप तिवारी, रमेश दीक्षित, मनीष दीक्षित, अपूर्व शुक्ला, शत्रुघ्न तिवारी, आदि लोग उपस्थित रहे। तथा मन्दिर को भब्य एवम् बिशाल बनाने हेतु हर सम्भव प्रयास की बात कहीं तथा प्रशाद एवम्जलपान की ब्यवस्था हुई। पूरा कार्यक्रम स्थल भक्तिमय गीतों से गूंज उठा,, एक ही ध्वनि थी जय भगवान परशुराम। वहां लोगों के चेहरे पर खुशी साफ नजर आ रही थी। क्योंकि जनपद में पहला भगवान परशुराम मंदिर जनपद में भब्य एवम् बिशाल बनाने जा रहा है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

-:: ईश्तहार ::-

रा०प्र०क्र०- 202312260400049/अ-6-अ/2023-24

आम जनता/ग्रामीणजन को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम झिलमिली में आवेदक अरूण कुमार पुत्री/पति/पिता भोला राम वगै० निवासी ग्राम झिलमिली तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) ने ग्राम झिलमिली तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) में स्थित भूमि जिसका ख०नं० 317, 322/2, रकबा क्रमशः 0.11, 0.39 हे0 भूमि अनावेदक बालमुकुन्द आ० रामसूरत उम्र लगभग 50 वर्ष जाति नाई ग्राम झिलमिली तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) में सुधार हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 115 छ0ग०भू०रा० संहिता प्रस्तुत करने पर प्रारम्भ किया गया है। अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में सुधार किये जाने से किसी हितबद्ध पक्षकार/व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे स्वंय अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 18.10.2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। एवं तद्अनुसार कार्यवाही कर दिया जाएगा। आज दिनांक 08/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे

मामला क्रमांक: 202410020700083/

मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2024-2025
विषयः- अ-6
जगदीशपुर (प ह न. 00025),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- सावित्री राजवाडे,
अनावेदक पक्षकार - सहदेव, जनार्दन, रविशंकर, देवन्ती, अनिला राजवाड़े, हेमन राम,

ईश्तहार

आवेदक सावित्री राजवाडे पुत्री मुनेश्वर व अन्य निवासी ग्राम कैलाशपुर तहसील व जिला सूरजपुर छ०ग, के द्वारा ग्राम जगदीशपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 262/1, 262/5, 266/2, 347 रकबा 0.178, 0.093, 0.113, 0.111 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 29-04-2024 के माध्यम से नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 04.11.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/10/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र/अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सुधीर आ० स्व० कमलेश्वर सिंह, सुशील सिंह आ० कमलेश्वर सिंह दोनो निवासी ग्राम दरीपारा अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला पोस्ट आफिस रोड नगर अम्बिकापुर सीट नम्बर-10 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4011/3 रकबा 0.11, 3/4 में से रकबा 4.13 डिसमिल एवं प्लाट नम्बर 4011/4 रकबा 0.01,3/4 में से रकबा 1.75 डिसमिल कुल रकबा 5.88 डिसमिल भूमि को रुपए -34,00,000-00 में अनावेदक विकास मित्तल आ० राधेश्याम मित्तल निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र, मय दस्तावेज मॅटनेन्स खसरा, की प्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खंण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-30/10/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-18/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालीन पद्ममुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०- /ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नमिता मण्डल बेवा स्व० रविन्द्रनाथ मण्डल व अन्य निवासी ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 139/1 रकबा 1.230 हे० भूमि में से 20 डिसमिल भूमि को अनावेदक दुष्यंत अग्रवाल आ० रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल निवासी रविन्द्रनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपये 17,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है. जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 23.10.2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 14/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा सि जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

विद्युत फाल्ट सही कर रहे संविदा कर्मी की करंट से मौत, दो झुलसे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र में शट डाउन लेकर विद्युत लाइन सही कर रहे संविदाकर्मी की विधुत लाइन में चिपकने से मौत हो गई अक्रोषित परिजनों ने कालूखेड़ा असोहा मार्ग पर जाम लगा दिया

जबरेला ग्राम पंचायत के मजरे अलौदीमौ गांव निवासी स्वर्गीय खिलाड़ी का 24 वर्षीय पुत्र गोविंद उर्फ गोलू कालूखेड़ा पावर हाउस में संविदाकर्मी के रूप में लाइन मैन का कार्य करता था आज दोपहर पावर हाउस से कालूखेड़ा फीडर में पड़ने वाले गांव भवलिया गांव की ग्यारह हजार लाइन फाल्ट की सूचना पर पावर हाउस से शट डाउन लेकर अन्य लाइनमैन गोविंद, मनोज व नकुल लाइन सही कर रहे थे 2 बज कर 47 मिनट पर अचानक लाइन चालू हो जाने से खम्बे के ऊपर सही कर रहे लाइन मैन गोविंद की चिपक कर मौत हो गई परिजन गोविंद को असोहा स्वास्थ्य केंद्र लाये जहाँ डाक्टरो ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वही लाइन सही कर रहे साथी मनोज व नकुल भी झुलस गए जिनका इलाज वही कालूखेड़ा निजी नर्सिंग होम पर चल रहा है। घयाल लाइन मैन नकुल ने बताया कि गोविंद खम्बे पर ऊपर चढ़ कर ग्यारह हजार लाइन ठीक कर रहे थे हम और मनोज उसका सपोर्ट कर रहे थे कि अचानक लाइन आने से ये हादसा हो गया मौत की खबर मिलते ही मा सरजू देई व भाई अरविंद, बीरेंद्र व पंकज का रो रो बुरा हाल है। म्रतक चार भाईयो में तीसरे नम्बर का था, म्रतक की अभी जल्द ही शादी बीघापुर में तय हुई थी, और फरवरी माह में होनी थी। गोविंद की मौत का समाचार मिलते ही परिजनों ने असोहा मार्ग पर जाम लगा दिया, ग्रामीण तथा परिजन किसी बड़े अधिकारी के आने दोषियों के खिलाफ कार्यवाही तथा उचित मुआवाजे की बात कर रहे है। समचार लीखे जाने तक जाम लगा हुआ है। म्रतक के भाई अरविंद कुमार ने पावर हाउस में शट डाउन लेने देने वाले तैनात संविदा कर्मी विजय कुमार के खिलाफ तहरीर दी है। थाना इंचार्ज विमल कांत गोयल ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है दोषियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जा रही है

संस्कृति व परंपरा को सहेजना हमारा कर्तव्य : मुख्यमंत्री

★ जिले के गांवों को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने 'हमर सुघर गांव' पहल का किया गया शुभारंभ ★ जिले के विकास पर आधारित प्रगति पत्रक का विमोचन एवं समाधान सूरजपुर ऐप का किया गया शुभारंभ ★ ग्राम सिलौटा, प्रतापपुर में आयोजित करमा महोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, जिले के ग्राम सिलौटा प्रतापपुर के मिनी स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित आदिवासी करमा महातिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व मुख्यमंत्री करमडार पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए और छत्तीसगढ़ के खुशहाली और संपन्नता की कामना की। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के बंधुओं द्वारा आदिवासी संस्कृति व परंपरा का प्रस्तुतिकरण करते हुए उनका आत्मीय स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा सूरजपुर जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छ सुंदर और स्वस्थ गांव बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई पहल 'हमर सुघर गांव' और सूरजपुर जिले के नागरिको की समस्याओं के समाधान के लिए निर्मित वॉट्सएप्प बेस्ड चौटबोट प्लेटफार्म समाधान सूरजपुर ऐप का शुभारंभ किया। इसके अलावा उन्होंने जिले के विकास कार्यों पर आधारित विकास पत्रिका ' प्रगति पत्रक ' का विमोचन भी किया। साथ ही जिला प्रशासन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु शुरू किए गए चैंपियंस ऑफ चेंज अवॉर्ड की मुख्यमंत्री श्री साय ने शुभारंभ किया।

मंचीय कार्यक्रम के पूर्व कोड़ाकू जनजाति द्वारा सामूहिक सांदो नाच का प्रदर्शन किया गया और बैगा जनजाति द्वारा पारंपरिक विधि से पूजा अर्चना किया गया। इस आयोजित करमा महोत्सव कार्यक्रम में चारो तरफ आदिवासी पारंपरिक छंटा बिखरी नजर आ रही थी। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खुशी की बात है कि आदिवासी समाज अपनी संस्कृति व परंपरा को सहजने के लिए बढ़ चढ़कर आगे आ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें ग्राम सिलौटा के पावन भूमि में आकर एवं कर्मा तिहार में शामिल होकर बेहद खुशी हुई है। इस अवसर पर उन्होंने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कर्मा उत्सव हमारे ग्रामीण क्षेत्र की पुरानी परंपरा। उन्होंने कर्मा के प्रकार का विवरण भी दिया। उन्होंने बताया कि एकादशी करमा कुंवारी बेटियां , जीवित्पुत्रिका करमा माताओं द्वारा किया जाता है। इसके अलावा फसलों की सुरक्षा के लिए कर्मा त्यौहार मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह पुरखों के द्वारा सौंपी परंपरा है जिसे हमे आगे भी जारी रखना है और आपसी एकता का परिचय देते हुये इसे निरंतर एकजुट होकर उत्साह पूर्वक मानना है। उन्होंने सभी लोगों से अपील किया कि सभी अपने परंपराओं से जुड़े रहें।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में निरंतर लोगों शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पीएम आवास के द्वारा शासन लोगों को पक्का आवास प्रदान करने का कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपए प्रदान किया जा रहा है जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। रामलला दर्शन योजना के द्वारा रामभक्तों को अयोध्या धाम में नि:शुल्क रामलला का दर्शन कराया जा रहा है। शासन द्वारा वनवासियों को लाभान्वित करते हुए तेंदूपत्ता संग्रहण का दर प्रति मानक बोरा 4000 रुपए से बढ़ाकर 5500 रुपए कर दिया है। साथ ही पीएससी घोटाला की जांच भी सीबीआई द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा इन वादों की तरह ही शीघ्र ही सरकार अपने सारे वादों को पूरी करेगी। उन्होंने बताया कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास के साथ प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार निरंतर आदिवासियों के सम्मान के लिए काम कर रही है। अति पिछड़ा वर्ग के आदिवासियों के विकास के लिए पीएम जनमन योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने जनजातीय उत्थान के लिए जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जिले में शासन के विभिन्न विभागों के अंर्तगत किए जा रहे विकास कार्यों पर आधारित स्टॉल का अवलोकन किया। इस दौरान श्री साय ने महिला एवं बाल विकास विभाग के योजनांतर्गत गर्भवती महिलाओं का गोदभराई संस्कार एवं 06 माह तक के बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया। इस अवसर पर महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों द्वारा समस्त महिलाओं के ओर से मुख्यमंत्री श्री साय को उपहार के साथ सम्मानित करते हुए धन्यवाद दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड एवं सिकल सेल जेनेटिक कार्ड का वितरण किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंर्तगत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान समूह की महिला के परिजन को पीएम सुरक्षा योजना अंर्तगत 02 लाख का चेक प्रदान कर योजना से लाभान्वित किया गया। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन अंर्तगत स्वच्छाग्रहियों को शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया। साथ ही पीएम आवास योजना अंर्तगत मुख्यमंत्री द्वारा हितग्राहियों को खुशियों की चाबी सौंपी गई। कृषि विभाग की योजनांतर्गत मुख्यमंत्री श्री साय केसीसी कार्यक्रम अंर्तगत चेक एवं पीएम फसल बीमा योजना के मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अंर्तगत पॉलिसी सर्टिफिकेट प्रदान किया। राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना अंर्तगत हितग्राहियों को सब्सिडी का चेक, फसल बीमा योजना के तहत हॉर्टिकल्चर के हितग्राहियों को चेक एवं मत्स्य पालकों को आइस बॉक्स एवं जाल का वितरण किया गया। साथ समाज कल्याण विभाग अंर्तगत विभिन्न योजनाओं के तहत लैपटॉप एवं मोटराइज्ड ट्राइसिकल का वितरण किया गया।

मुख्यमंत्री ने चैंपियंस ऑफ़ चौंज अवार्ड कार्यक्रम का किया शुभारंभ

गौरतलब है कि जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अन्तर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को इस अवार्ड के तहत सम्मानित करने का कार्य प्रारंभ किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा नवाचारी पहल करते हुए इस योजना को शुरू किया गया है । इस अभिनव पहल का उद्देश्य उन व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना है जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है और जो अपने विभाग में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने समाधान सूरजपुर ऐप का किया शुभारम्भ

समाधान सूरजपुर, जिला प्रशासन सूरजपुर की एक अभिनव पहल है, जिसका उद्देश्य उत्तरदायी और पारदर्शी प्रशासन सुनिश्चित करना है । यह एक व्हाट्सएप-आधारित बॉट प्लेटफ़ॉर्म है, जो जिला प्रशासन को नागरिकों से जोड़ता है। इस प्रणाली के माध्यम से नागरिक अपने घर से ही वॉट्सएप के माध्यम से शिकायतें, मांगें या सुझाव दर्ज कर सकते हैं। एक बार शिकायत चौटबॉट के माध्यम से दर्ज हो जाती है, तो वह स्वत: समाधान पोर्टल पर परिलक्षित होती है और संबंधित विभाग को अग्रेषित कर दी जाती है, जहां उसका समाधान किया जाता है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि करमा महोत्सव को सरगुजा की विशिष्ट पहचान बताया। करमा का पर्व सरगुजा के मिट्टी में रची बसी है। उन्होंने कहा कि करमा पर्व यहां के आदिवासी जनता का प्रकृति से संबंध को प्रदर्शित करता है।

महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि करमा महोत्सव प्राकृतिक धरोहर का अभिन्न अंग है। उन्होंने प्रकृति के संरक्षण और करम की प्रधानता को उल्लेखित किया।

विधायक प्रतापपुर श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के स्वागत में अभिनंदन पत्र का वाचन किया। जिसमें उन्होंने कर्मा तिहार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की उपस्थिति पर उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया व क्षेत्र की जनता की ओर से उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के सुशासन से क्षेत्र में बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा आज क्षेत्र ही नहीं अपितु जिले व पूरे प्रदेश का समावेशी विकास हो रहा है।

सिलौटा प्रतापपुर ''आदिवासी करमा महातिहार'' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा

इस आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए कई घोषणाएं की। उन्होंने इस अवसर पर प्रत्तापपुर में नवीन एसडीएम कार्यालय का निर्माण, चंदोरा जजावल सड़क निर्माण, प्रतापपुर में रेस्ट हाउस निर्माण, प्रतापपुर में बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण एवं प्रतापपुर क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं के लिए चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए फर्स्ट रेफरल यूनिट की सुविधा प्रदान करने की घोषणा की।

इस अवसर पर विधायक प्रतापपुर श्रीमती शकुन्तला पोर्ते, प्रेमनगर श्री भूलन सिंह मरावी, सीतापुर रामकुमार टोप्पो, लुण्ड्रा श्री प्रबोध मिंज, सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल, सामरी सुश्री उद्धेश्वरी पैकरा,बैकुंठपुर श्री भैयालाल रजवाड़े एवं बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित थे।

राशनकार्ड ई-केवाईसी एवं नवीनीकरण की समय सीमा 31 अक्टूबर तक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शासन के निर्देशानुसार प्रचलित राशनकार्ड में ई- केवाईसी एवं नवीनीकरण की समयसीमा 31 अक्टूबर 2024 निर्धारित है। जिले के 2,32,161 राशनकार्ड में से 5601 कार्ड का नवीनीकरण होना शेष है। राशन कार्ड में नवीनीकरण के लिए राशन कार्ड में दर्ज सदस्यों का ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। वर्तमान में 1,30,704 राशनकार्डधारी सदस्यों का ई-केवाईसी किया जाना शेष हैं। विदित हो कि राशनकार्ड के प्रत्येक सदस्य को ई-केवायसी के लिए राशनकार्ड नम्बर एवं आधार कार्ड के साथ नजदीकी शासकीय उचित मूल्य दुकान में ई-पास मशीन से फिंगर स्कैन कराना होगा।

यह सुविधा पूर्णत नि:शुल्क है तथा ई-केवाईसी के लिए कोई दस्तावेज जमा नहीं करना पड़ेगा। ई-केवायसी के लिए शेष सदस्यों की सूची उचित मूल्य दुकानदार के पास उपलब्ध हैं। राशन कार्ड का नवीनीकरण हितग्राही के द्वारा स्वयं ही विभागीय नवीनीकरण एप्प एवं दुकानदार दोनों माध्यम से किया जा सकता है। निर्धारित तिथि तक राशन कार्ड का नवीनीकरण नही कराये जाने पर हितग्राही राशन कार्ड से वंचित हो सकते है। खाद्य विभाग के द्वारा लोगो से अपील किया जाता है कि वे असुविधा से बचने के लिए अपने राशन कार्ड का नवीनीकरण एवं ई-केवाईसी समय पर करा लेवें।

अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। धरसींवा पुलिस ने कपसदा मेन रोड पर अवैध शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 12 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार धरसींवा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कपसदा मेन रोड में दबिश देकर आरोपी दुर्गेश निषाद 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 12 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 250 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

मनरेगा के तालाब में राखड़ भरा गया, अपराध दर्ज करेगी पुलिस

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत 12 लाख रुपयों से अधिक की लागत से निर्मित तालाब को राखड़ से भर कर स्मतल मैदान बना दिया गया। अब इस मामले में पुलिस अपराध दर्ज करने की ओर अग्रसर है।

वरिष्ठ नेता वीरेन्द्र पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष वित्त आयोग छत्तीसगढ़ के द्वारा ग्राम बरीडीह में मनरेगा योजना अन्तर्गत खुदाई कराये गये तालाब को साजिश पूर्वक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोरबा, क्षेत्रीय अधिकारी पर्यावरण संरक्षण मण्डल कोरबा, राखड परिवहनकर्ता ठेकेदार तथा राखड उपलब्ध कराने वाले संयंत्र प्रबंधन के अधिकारियों द्वारा पाट देने के संबंध में दोषियों के विरूद्ध प्रथम सूचना दर्ज करने के संबंध में पुलिस थाना उरगा और जिला पुलिस अधीक्षक कोरबा को शिकायत प्रस्तुत की गई थी।

उपरोक्त शिकायत में उल्लेख था कि बरीडीह ग्राम का तालाब, जिसका मनरेगा योजना अन्तर्गत गहरीकरण वर्षा 2016-2017 में 12. 82 लाख रूपये के लागत से कराया गया था। जिसके लिए 12 लाख 81 हजार 700 रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति 30 दिसम्बर 2016 को आदेशित हुई। 23 जनवरी 2019 को कार्य प्रारम्भ होकर 19 जून 2019 को कार्य पूर्ण हुआ, जिसमें श्रमिक लागत 12 लाख 57 हजार 410 रूपये आई। तालाब का क्षेत्रफ्ल लगभग 7000 वर्गमीटर था। इस तालाब को विद्युत संयंत्र से निकलने वाली राख (फ्लाईएश) से पाट दिया गया है। पुलिस अधीक्षक कोरबा ने इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत कोरबा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र भेज कर कहा है कि प्रथम दृष्टया शिकायत आपके विभाग से संबंधित होना परिलक्षित हो रही है। उपरोक्त के संबंध में विस्तृत जांच कराते हुए, किन परिस्थितियों में मनरेगा योजना अन्तर्गत गहरीकरण कराये गये तालाव को राखड़ से पाट दिया गया तथा इसके लिये उत्तरदायी कौन-कौन है, अपराधिक कृत्य उजागर होने की स्थिति में दोषियों का भी स्पष्ट उल्लेख करते हुए प्रतिवेदन इस कार्यालय को उपलब्ध कराने का कष्ट करें, जिससे अग्रिम कार्यवाही की जा सके।

पत्र की प्रतिलिपि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोरबा और क्षेत्रीय अधिकारी पर्यावरण संरक्षण मण्डल कोरबा को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है। इस सम्बंध में न्यूज एक्शन ने छानबीन की तो पता चला कि उक्त तालाब को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पूर्व उप सचिव सौम्या चैरसिया के कोरबा निवासी निकटतम रिश्तेदार ने राखड़ से पाट दिया था। अब सौम्या चैरसिया जेल में है। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन हो चुका है। कांग्रेस की जगह भाजपा की सरकार बन गई है।

बावजूद इसके कोरबा के प्रशासनिक अधिकारी इस मामले को रफा दफा करने और दोषियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकारी अभी भी कांग्रेस के प्रति अभिसक्त हैं। शायद यही वजह है कि विभागीय जांच में शिकायत की पुष्टि होने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं?

आंगन में दंतैल ने बच्ची को लपेटकर पटका

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के कटघोरा वन मंडल अंतर्गत केंदई रेंज में आने वाले ग्राम कांपा नवापारा एवं उसके आसपास पिछले एक सप्ताह से लगभग 50 हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। आये दिन हाथियों के द्वारा किसानों की फसल चैपट कर रहे हैं, और तो और अब दतैल हाथी आधी रात को खाने की तलाश में सीधा नींद में सो रहे ग्रामीणों के ऊपर हमला कर रहा है। ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत घुंचापुर के आश्रित गांव लालपुर में घटा है। जानकारी के अनुसार ग्राम लालपुर में लरगंसाय एक्का अपने परिवार सहित निवास करता है और 10 अक्टूबर गुरुवार की रात लगभग 3 बजे जब उसकी 12 वर्षीय अनुष्का एक्का लघुशंका के लिए बाहर निकली तो एक भारी भरकम दंतैल हाथी आंगन में खड़ा था। बच्ची कुछ समझ नहीं पाई और हाथी ने उसे सुंड में लपेट कर वहीं पर पटक दिया। जिससे बच्ची बुरी तरह से घायल हो गई।

अपचन, कब्ज एवं शारीरिक श्रम न करना वात रोगों का प्रमुख कारण : डॉ.नागेंद्र शर्मा

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। विश्व आर्थराइटिस दिवस पर स्वस्थ भारत समृद्ध भारत अभियान के अंतर्गत चलो आयुर्वेद की ओर मिशन के तहत लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट, विश्व हिंदू परीषद एवं आयुष मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में श्री शिव औषधालय एमआईजी 20 आर.पी.नगर फेस 2 शिवाजी नगर रोड निहारिका कोरबा मे आयोजित सभी 80 प्रकार के वात रोगों हेतु आयोजित नि:शुल्क आयुर्वेद-योग, रक्त शर्करा जांच एवं अस्थि खनिज घनत्व (बोन मिनरल डेंसिटी) जांच चिकित्सा परामर्श एवं उपचार शिविर में 90 मरीज हुये लाभान्वित।

शिविर में विशेष रूप से अपनी चिकित्सकीय सेवायें प्रदान करने वाले छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध अनुभवी आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ नाड़ीवैद्य डॉ.नागेंद्र नारायण शर्मा ने अपचन, कब्ज, शारीरिक श्रम न करना एवं कैल्शियम आयरन तथा विटामिन्स की कमी को वात रोगों का मुख्य कारण बताया। साथ ही इससे बचाव एवं उपचार हेतु अपनी दिनचर्या को नियमित करने के साथ साथ अपने भोजन में कैल्शियम, आयरन एवं विटामिन्स युक्त भोज्य पदार्थों को शामिल करने को कहा तथा किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की सलाह भी दी। साथ ही शिविर में बीएमडी मशीन द्वारा अस्थि खनिज घनत्व (बोन मिनरल डेंसिटी) की निशुल्क जांच कर संबंधित औषधि भी निशुल्क प्रदान की गई। साथ ही समस्त प्रकार के वात रोगों के लिये उपयोगी वातशामक काढ़ा भी निशुल्क पिलाया गया। शिविर मे रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) की जांच निशुल्क करने के साथ शुगर की परीक्षित औषधि देने के साथ-साथ वात रोगियों के लिये उपयोगी स्वास्थ्य पुस्तिका भी निशुल्क प्रदान की गई।

शिविर में चिकित्सक नाड़ी पंडित शिव कुमार शर्मा, नाड़ीवैद्य डॉ.नागेन्द्र नारायण शर्मा, नाड़ीवैद्या डॉ.वागेश्वरी शर्मा, डॉ.प्रदीप कश्यप, डॉ.संजय वैष्णव के अलावा श्री शिव औषधालय की संचालिका श्रीमती प्रतिभा शर्मा, लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट के अध्यक्ष लायन शिव जायसवाल, कोषाध्यक्ष लायन गजेंद्र राठौड, संरक्षक लायन सुधीर सक्सेना, कार्यकारिणी सदस्य लायन नेत्रनन्दन साहू, लायन कमल धारीया, लायन अश्वनी बुनकर, मनीष कौशिक, तोरेंद्र सिंह, महेंद्र साहू, देवबली कुंभकार, कमला कुंभकार, राजेश प्रजापति, राकेश इस्पात, सिद्धराम शाहनी, नेहा कंवर, बीएमडी टैक्नीशियन सुनील मल्होत्रा, वीरेंद्र सोनी, बबलु सोनी एवं पतंजलि अंबिकापुर के जीवनदानी योग शिक्षक आर्य विजय ने विशेष रूप से उपस्थित होकर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शराब समझकर पीए जहर, दो दोस्तों की हालत गंभीर

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। पड़ोसी के घर में बोतल में शराब देखकर दो दोस्तों ने उसे पी लिया, लेकिन जब तबीयत खराब होने लगी, तब समझ आया कि जिसे वे शराब समझकर पीए थे, वह असल में जहर था. दोनों दोस्तों को गंभीर हालत को देखते हुए परिजनों ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना जिले के उरगा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव बगबुड़ा की है. 26 वर्षीय राधेलाल और 28 वर्षीय दूजराम दोनों एक ही गांव के रहने वाले बचपन के मित्र हैं. दोनों पड़ोसी के घर गए थे, जहां शराब की बोतल को देख दोनों को लालच आ गया, और उसे शराब समझकर गटक गए. थोड़ी देर बाद दोनों की उल्टी-दस्त होने के साथ तबीयत बिगड़ने लगी. इसके बाद पता चला कि जिसे वे शराब समझकर पीए थे, वह दरअसल जहर था. दोनों की गंभीर हालत को देख परिजनों ने जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दाखिल कराया।

पूर्व पार्षद की कार हाईवा से भिड़ी, सात जख्मी

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़ी गाड़ी एक बार फिर दुर्घटना का कारण बनी। ट्रेलर से कार के टकराने पर पूर्व कांग्रेस पार्षद समेत सात सवार घायल हो गए। कार का एयरबैग समय पर खुल जाने से चालक की जान बन गई। जानकारी के मुताबिक नगर पालिक निगम के मुड़ापार वार्ड से पूर्व कांग्रेस पार्षद गोपाल कुर्रे परिजनों के साथ नैला से देवी दर्शन कर वापस कोरबा लौट रहे थे कि ग्राम कनकी मुख्य मार्ग पर उनकी कार सड़क के किनारे खड़ी हाइवा से जा टकराई। कार में सवार लोगों को राहगीरों ने बाहर निकालकर उपचार के लिए जिला अस्पताल रवाना किया। कार में गोपाल कुर्रे, पत्नी, बहन और भांजी सवार थे। ट्रेलर से कार के टकराने पर एयरबैग खुलने से चालक जीवन दास बाल-बाल बच गया, वहीं गोपाल कुर्रे के सिर पर गंभीर चोट आई है।

कोरिया फ्रंटलाइन

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जन्मदिन पर विशेष संपादकीय

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की एक प्रेरणादायक जीवन यात्रा

सपनों को साकार करने वालों में से एक थे मिसाइल मैन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम महेन्द्र सिंह मरपच्ची

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। डॉ. अवुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम जिन्हें समस्त भारतवासी प्यार से ''मिसाइल मैन'' के नाम से जानते हैं, जिनका जीवन एक साधारण परिवार से उठकर विश्व पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ने की अद्भुत कहानी है। वे न केवल एक वैज्ञानिक के रूप में प्रसिद्ध हुए बल्कि अपने सरल और प्रेरक व्यक्तित्व के कारण वे देश के करोड़ों युवाओं के आदर्श बने। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के एक छोटे से गांव रामेश्वरम में हुआ। उनका परिवार आर्थिक रूप से बहुत साधारण था, लेकिन उनके माता-पिता ने उन्हें उच्च नैतिक मूल्यों और शिक्षा के प्रति समर्पण की सीख दी। उनके पिता एक नाविक थे और उनकी माँ एक धार्मिक महिला थीं। डॉ. कलाम का बचपन संघर्षों से भरा हुआ था, लेकिन उन्होंने कभी अपने सपनों को मरने नहीं दिया। बाल्यावस्था में ही उन्होंने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए अखबार बेचने का काम किया। इस दौरान उन्होंने अपनी पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी और अपनी शिक्षा को हमेशा प्राथमिकता दी।

कलाम की शिक्षा का प्रारंभ रामेश्वरम के एक प्राथमिक विद्यालय से हुआ। वे एक प्रतिभाशाली छात्र थे और विज्ञान और गणित में विशेष रुचि रखते थे। उनके शिक्षक उनके उज्ज्वल भविष्य को लेकर हमेशा उत्साहित रहते थे और उन्हें प्रेरित करते थे। आगे की शिक्षा के लिए उन्होंने श्वार्ट्ज हायर सेकेंडरी स्कूल में दाखिला लिया, जहाँ उनकी वैज्ञानिक दृष्टि और रुचि को और अधिक विकसित होने का अवसर मिला। विज्ञान के प्रति उनके लगाव ने उन्हें मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तक पहुँचाया, जहाँ उन्होंने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में प्रवेश लिया। यहाँ पर भी उन्होंने अपने कठिन परिश्रम और लगन से सभी को प्रभावित किया। उनकी प्रतिभा और कार्य के प्रति समर्पण ने उन्हें इस क्षेत्र में गहरी समझ और अद्वितीय ज्ञान दिया, जिसने भविष्य में भारत के अंतरिक्ष और रक्षा अनुसंधान में उनका मार्ग प्रशस्त किया।

वैज्ञानिक करियर की शुरुआत

अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद डॉ. कलाम ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में एक वैज्ञानिक के रूप में अपना करियर शुरू किया। उनके प्रारंभिक कार्य ने उन्हें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन से जोड़ दिया, जहाँ उन्होंने देश के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण वाहन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सफलता ने उन्हें वैज्ञानिक समुदाय में एक प्रमुख स्थान दिलाया। उनकी मेहनत और समर्पण ने उन्हें भारत के मिसाइल विकास कार्यक्रम का नेतृत्व करने का अवसर दिया, जहाँ उन्होंने कई प्रमुख मिसाइलों के विकास में अहम योगदान दिया। इसके कारण ही उन्हें ''मिसाइल मैन'' के नाम से प्रसिद्धि मिली। उनकी देखरेख में भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया और कई मिसाइल प्रौद्योगिकियों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

अग्नि और पृथ्वी मिसाइल का किया विकास

डॉ. कलाम का सबसे महत्वपूर्ण योगदान अग्नि और पृथ्वी मिसाइलों के विकास में था। यह मिसाइलें भारत की रक्षा क्षमता को एक नई ऊँचाई पर ले गईं। उनके नेतृत्व में भारत ने सामरिक महत्व की मिसाइलों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया, जिसने न केवल भारत की सैन्य

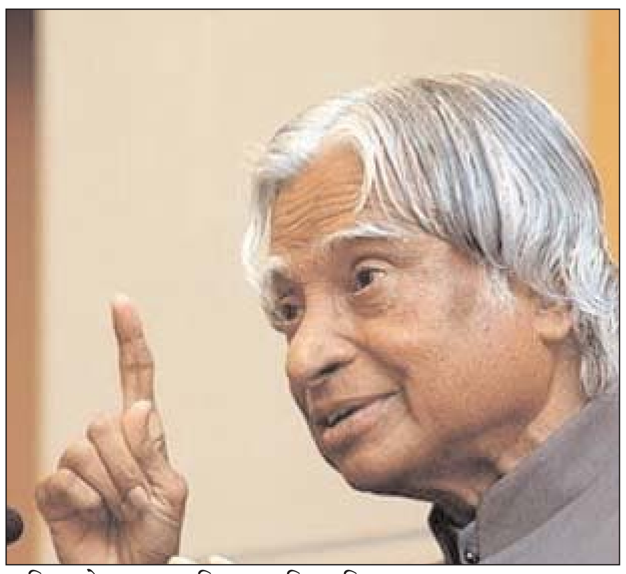

शक्ति को मजबूत किया, बल्कि विश्व स्तर पर भारत को एक मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। डॉ. कलाम के इस योगदान ने उन्हें भारत के रक्षा विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित स्थान दिलाया। उनका दृष्टिकोण यह था कि देश को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका विश्वास था कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश के युवा अपनी सच्ची क्षमता को पहचान सकते हैं और राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे सकते हैं।

भारत के राष्ट्रपति के रूप में दिया महत्वपूर्ण योगदान

विज्ञान और तकनीकी उपलब्धियों के बावजूद डॉ. कलाम का सबसे बड़ा सम्मान तब हुआ जब उन्होंने भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। उनका राष्ट्रपति काल सादगी, ईमानदारी और देश के विकास के प्रति समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने राष्ट्रपति पद को न केवल एक संवैधानिक पद माना, बल्कि इसे जनसेवा का एक माध्यम समझा। राष्ट्रपति बनने के बाद भी उनका सारा ध्यान युवाओं को प्रेरित करने पर था। वे नियमित रूप से छात्रों से मिलते रहे और उन्हें अपने सपनों का पीछा करने और जीवन में कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित करते रहे।

डॉ. कलाम का ,छत्तीसगढ़ से लगा रहा लगाव

डॉ. कलाम ने छत्तीसगढ़ के विकास में भी कई महत्त्वपूर्ण योगदान दिए। वे विभिन्न अवसरों पर छत्तीसगढ़ आए और अपने विचारों तथा योजनाओं से क्षेत्र के विकास को गति प्रदान की। 2006 में उन्होंने रायपुर जिले के आरंग तहसील के बकतारा में परियोजना का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में शहरी सुविधाएं प्रदान कर लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना था। इस परियोजना के तहत 22 गांवों को शामिल किया गया, जहां शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और कृषि के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सुधार किए जाने की योजना बनाई गई थी। इसके साथ ही शिक्षक दिवस के मौके पर वह बेमेतरा आने वाले थे, लेकिन वह नहीं आ पाए थे. इसके बाद वह बेमेतरा आए और रायपुर के पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी में लेक्चर दिया था, उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोगों पर ग्लोरी टू द ग्रेट पीपल ऑफ़ छत्तीसगढ़' नाम की कविता लिखी थी ।

डॉ. कलाम ने रायपुर स्थित ही पुरखौती मुक्तांगन में एक अद्वितीय सांस्कृतिक संग्रहालय और विज्ञान पार्क का उद्घाटन किया। उन्होंने इस संग्रहालय को एक सीखने की प्रयोगशाला बताया, जहां लोग छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और जैव विविधता को समझ सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने छत्तीसगढ़ में जैव ईंधन के उत्पादन को भी बढ़ावा दिया और राज्य को जैव ईंधन उत्पादन में अग्रणी बनने का सुझाव दिया। उनका यह सुझाव राज्य के किसानों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत बना और जैव ईंधन के क्षेत्र में नई संभावनाओं का द्वार खोला। उनका मानना था कि युवा भारत के भविष्य के निर्माता हैं, और यदि उन्हें सही दिशा में प्रेरित किया जाए, तो वे देश को नई ऊँचाइयों पर ले जा सकते हैं।

डॉ. कलाम का दृष्टिकोण और नेतृत्व

डॉ. कलाम के नेतृत्व में भारत ने कई क्षेत्रों में प्रगति की। वे हमेशा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश के समग्र विकास में विश्वास रखते थे। उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि तकनीकी प्रगति केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज की सेवा और देश के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट था कि वे एक विकसित भारत का सपना देखना चाह रहे थे कि भारत एक ऐसा राष्ट्र बने जो न केवल तकनीकी दृष्टि से बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी आत्मनिर्भर हो। इसके लिए उन्होंने शिक्षा और नवाचार पर विशेष जोर दिया। वे युवाओं को वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करते रहे।

शिक्षा और युवाओं के प्रति समर्पण

डॉ. कलाम का युवाओं के प्रति प्रेम और शिक्षा के प्रति उनका समर्पण उल्लेखनीय था। वे हमेशा कहते थे कि सपने देखो लेकिन उन्हें साकार करने का प्रयास भी करो%%। उन्होंने शिक्षा को सशक्तिकरण का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम माना और अपने जीवन के अंतिम दिनों तक युवाओं के बीच जाकर उन्हें प्रेरित करते रहे। उनके अनुसार शिक्षा का उद्देश्य न केवल ज्ञान प्राप्त करना है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना भी है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित और आत्मनिर्भर युवा ही एक विकसित राष्ट्र का आधार होता है। उन्होंने भारत के विकास के लिए युवाओं को तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

जीवन के अंतिम दिन में भी वे शिक्षकों और छात्रों के साथ समय बिताते रहे

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन अत्यधिक सादगी, कर्तव्यपरायणता और देशभक्ति का आदर्श उदाहरण है। अपने जीवन के अंतिम दिनों में भी वे शिक्षकों और छात्रों के साथ समय बिताते रहे। 27 जुलाई 2015 को जब वे भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिलांग में 'रहने योग्य ग्रह' पर एक व्याख्यान दे रहे थे, उसी समय उनको कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) हुआ और वे बेहोश हो कर गिर पड़े। लगभग 6रू30 बजे गंभीर हालत में उन्हें बेथानी अस्पताल के आईसीयू में ले जाया गया, लेकिन दो घंटे के बाद उनकी मृत्यु की पुष्टि कर दी गई। यह घटना उनके जीवन के अंतिम क्षणों तक अपने देश और इसके लोगों के प्रति उनकी सेवा भावना को दर्शाती है। उनके निधन से पूरा देश शोक में डूब गया, लेकिन उनकी प्रेरक विरासत उनके विचारों और कार्यों में जीवित है। उनका जीवन प्रेरणा का स्रोत है और उन्होंने यह दिखाया कि सपनों को सच करने के लिए कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प आवश्यक है। उनकी सोच और उनके कार्य हमेशा भारत के युवाओं को प्रेरित करते रहेंगे।

आज जनदर्शन में आए 41 आवेदन

जनदर्शन में नागरिकों की समस्याओं पर कलेक्टर ने की त्वरित कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी.बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज कुल 41 आवेदन प्राप्त हुए।

आज के जनदर्शन में आवेदक उर्मिला नामदेव निवासी सिविल लाइन मनेंद्रगढ दुकान के आगे दुकान संचालित करने के संबंध में, पूनम मौर्य निवासी जनकपुर जी.पी.एफ.सी.पी.एस. अथवा पेंशन विलंब होने के संबन्ध में, नानदाऊ बसोर निवासी माड़ीसरई भूमि के संबंध में, प्रेमवती निवासी झापर बिजली करेंट लगने से मृत्यु होने पर सहायता राशि दिलाने के संबंध में, मानमती निवासी मनेंद्रगढ़ फौती नामांतरण कराने के संबंध में, रामभरोस निवासी जमथान भूमि के संबंध में, सम्पत, राम बहादुर,बसंत लाल निवासी नेरुआ प्रस्ताव निरस्त करने के संबंध में, सिमरन निवासी मनेंद्रगढ़ कुछ छोटा मोटा काम दिलाने के संबंध में, देव सिंह निवासी खड़गवां पट्टा निरस्ती के संबंध में, अनुप कुमार सिंह निवासी रोकड़ा वन अधिकार पट्टा के संबंध में, शान्ता मिंज निवासी मनेंद्रगढ़ भूमि सीमांकन के संबंध में, समस्त ग्रामवासी निवासी नेरूआ अवैध जंगल की कटाई पर रोक लगवाकर उचित कार्यवाही करने के संबंध में, सुरेश सिंह निवासी नेरुआ नया पंप लगवाने के संबंध में, समस्त ग्रामवासी निवासी नेरूआ जांच में फर्जी पाया गया था एवं आज तक कार्यवाही ना होने के संबंध में, निर्मल सिंह श्याम निवासी सिरौली रनिंग वाटर का राशि भुगतान कराने के संबंध में, समस्त ग्रामवासी निवासी सिरौली नौगई एवं सिरौली को तहसील मनेंद्रगढ़ में यथावत किए जाने के संबंध में, उग्रसेन निवासी नेरुआ संतोष यादव के व्दारा भ्रष्टाचार करने के संबंध में, शिवभजन निवासी नागपुर भूमि के संबंध में, समस्त ग्रामवासी घुटरा महुआ बिनने वाली जाली का वितरण न करने के संबंध में, अर्चना चतुर्वेदी निवासी परसगढ़ी भूमि के संबंध में, प्रेमा निवासी मनेंद्रगढ़ भूमि के संबंध में, रामेश्वर दीवान निवासी मनेंद्रगढ़ भूमि के संबंध में, राम कुमार निवासी बिरोरी डांड भूमि के संबंध में, हेतराम दुबे देवाडांड हैंडपंप के पास शोकता गड्ढा का पैसा न मिलने के संबंध में, हीरा सिंह निवासी कोथारी पट्टा प्राप्त करने के संबंध में, शिव बालक निवासी मुक्तियारपारा भूमि के संबंध में, समस्त ग्रामवासी निवासी सेमरा मुवाअजा नहीं मिलने के संबंध में, लल्लाराम निवासी गिद्धमुडी भूमि के संबंध में, राम सिंह निवासी मनेंद्रगढ़ भूमि के संबंध में, लाखमन निवासी सल्का पट्टा निरस्तीकरण करने के संबंध में, समस्त ग्रामवासी निवासी करीं भूमि के संबंध में, फूलमती निवासी श्री रामपुर 50 वर्षो से काबिज भूमि का पट्टा देने के संबंध में, दीपनारायण निवासी बिछिया टोला भूमि के संबंध में, राम अवतार निवासी झगराखांण्ड भूमि के संबंध में, अब्दुल कालम अंसारी निवासी लेदरी जाति प्रमाण पत्र के संबंध में, समस्त वार्डवासी निवासी मनेंद्रगढ़ जबरन परेशान करने के संबंध में, हीरा सिंह निवासी लालपुर भूमि के संबंध में, भोला सिंह एवं वीर सिंह निवासी कटवार सोलर न लगने के संबंध में, राम अवतार निवासी झगराखांण्ड भूमि के संबंध मेंए जितेन्द्र कुमार निवासी उधनापुर आवास की राशि वापस करने के संबंध में एवं उषा निवासी मनेंद्रगढ़ ने नगर निवेश से ले.आउट स्वीकृति करने के संबंध में शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे । कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए ।

जिले में आंगनबाड़ी सहायिका और कार्यकर्ता के 94 रिक्त पदों को भरने के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना अधिकारी के अनुसार, एक आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यकर्ता और 93 सहायिका के पद रिक्त हैं। इन पदों पर भर्ती के लिए इच्छुक महिला उम्मीदवारों से 30 अक्टूबर 2024 तक आवेदन मांगे गए हैं। महिलाएं निर्धारित आवेदन पत्र भरकर, इसे परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, बैकुण्ठपुर के कार्यालय में कार्यालयीन समय के दौरान जमा कर सकती हैं। आवेदन केवल कार्यदिवसों पर स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2024 है, इसके बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।अधिक जानकारी के लिए इच्छुक उम्मीदवार कार्यालय के सूचना पटल पर जानकारी देख सकते हैं।

रेडक्रॉस सोसायटी सदस्यता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करन वाले 15 अधिकारी सम्मानित

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिले में रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यता अभियान में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 15 अधिकारियों को आज कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत पैटर्न, वाइस पैटर्न और अजीवन सदस्य बनाए गए, जो जिले के जरूरतमंद तबकों तक मदद पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कलेक्टर ने अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, ष्छोटे-छोटे सहयोग से समाज के कमजोर वर्गों को बड़ी सहायता मिलती है। रेडक्रॉस सोसायटी का यह अभियान इसी उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।ष् जानकारी के अनुसार इस सदस्यता अभियान के तहत 25 हजार

रुपये के 6 पैटर्न सदस्य, 12,500 रुपये के 29 वाइस पैटर्न सदस्य और 1,000 रुपये के 60 अजीवन सदस्य बनाए गए हैं। रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की ओर से 16 अक्टूबर को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कलेक्टर की अध्यक्षता में 2024-27 के लिए राज्य प्रबंधन समिति का गठन किया जाएगा। इस बैठक में जिले के सभी पैटर्न, वाइस पैटर्न और अजीवन सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। यह बैठक स्वास्थ्य और सेवा कार्यों के बेहतर प्रबंधन के लिए मील का पत्थर साबित होने की उम्मीद है। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय स्वच्छता संवाद में स्वच्छता दीदियां, समूह की महिलाएं हुई शामिल

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। अंतर्राष्ट्रीय हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय स्वच्छता संवाद कार्यक्रम का आयोजन पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम में जिले के सातों विकासखंड की स्वच्छता दीदी व समूह की महिलाएं, सरपंच सचिव सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल स्वच्छ भारत मिशन की राज्य सलाहकार मोनिका सिंह ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता की थीम पर जोर देते हुए कहा कि हम अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपना सकते हैं और अपने समाज को स्वच्छ बना सकते हैं। स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, हमें इसके प्रति जागरूक रहना चाहिए। स्वच्छता से न केवल हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहता है, बल्कि यह हमारे समाज को भी स्वच्छ और सुंदर बनाता है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से अपील की, वे अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता का ध्यान रखें और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी मिलकर स्वच्छता के लिए काम करें, तो हम अपने जिले को स्वच्छ और सुंदर बना सकते हैं। इस अवसर पर स्वच्छता दीदी और महिला समूह की महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए और स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया। अतिथियों ने भी स्वच्छता के महत्व पर बल दिया और लोगों से अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत एपीओ स्वेच्छा सिंह, उप संचालक यशपाल प्रेक्षा, वैज्ञानिक बायो टेक डॉक्टर प्रशांत शर्मा, स्वच्छ भारत मिशन शहरी नोडल अधिकारी रितेश सैनी, स्वच्छ भारत मिशन जिला समन्वयक रोशन कुमार गुप्ता, उपेन्द्र सिंह पैकरा, अनिल गुप्ता मौजूद थे।

सूरजपुर में पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी व बिटिया के जनाजे में उमड़ा जन सैलाब

छ.ग.फ्रंटलाइन. मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। सूरजपुर कोतवाली में पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी व बिटिया के जनाजे में मंगलवार को जन सैलाब उमड़ पड़ा। एमसीबी जिले भर के पुलिस अधिकारी व पुलिस के जवानों समेत नगर के गणमान्य जन भारी संख्या में जनाजे में शामिल होकर मेहू फेज व आलिया शेख को अंतिम विदाई देकर श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि तालिब शेख मनेंद्रगढ़ निवासी सूरजपुर कोतवाली थाना में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं । प्रधान आरक्षक तालिब शेख सूरजपुर में एक किराए के मकान में अपनी पत्नी मेहू फेज एवं बिटिया आलिया शेख के साथ रहकर सूरजपुर कोतवाली थाना में ड्यूटीरत था। रविवार की रात में कुख्यात अपराधी कुलदीप साहू के द्वारा प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी मेहू फेज एवं पुत्री आलिया शेख की नृशंस हत्या कर दोनों के शव को घर से लगभग 5 किलोमीटर दूर ले जाकर सड़क के किनारे खेत में फेंक दिया गया था जिनका शव बरामद कर पीएम कार्यवाही के बाद सोमवार को मनेंद्रगढ़ लाया गया जहां पर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था । गमगीन माहौल में मंगलवार को मौहारपारा स्थित कब्रिस्तान में दोनों मां बेटी का अंतिम संस्कार किया गया । उनके जनाजे में जन सैलाब उमड़ पड़ा था । एमसीबी जिले भर के पुलिस के अधिकारी व जवान उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा एमसीबी पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन सिंह ने जनाजे में शामिल होकर कंधा दिया । जानकारी के मुताबिक एक प्रकरण के सिलसिले में तालिब शेख अन्य पुलिसकर्मियों के साथ कुलदीप साहू को हिरासत में लेने गए थे किंतु वह फरार हो गया था। इसके बाद कुलदीप ने बदला लेने के लिए तालिब शेख के घर में घुसकर उनकी पत्नी-बेटी को मौत के घाट उतार कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि आरोपी कुलदीप साहू आदतन अपराधी और उस पर हत्या का आरोप है। वह कुख्यात बदमाश और सूरजपुर जिले का सबसे बड़ा कबाड़ी है। उस पर आर्म्स एक्ट, चोरी, मारपीट, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत कई धाराओं में 2 दर्जन से अधिक केस दर्ज हैं। फिल्टर प्लांट समेत अन्य संपत्ति की चोरी होने पर सूरजपुर नगर पालिका ने जिला बदर करने का प्रस्ताव पारित किया था। इस कुख्यात बदमाश को सूरजपुर, सरगुजा, कोरबा, कोरिया, बलरामपुर-रामानुजगंज, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और मध्यप्रदेश के सिंगरौली में साल भर के लिए प्रवेश निषेध किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा